संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 116 बुधवार 26 फरवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

होली से बाद तय होगा भाजपा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

तीन चेहरे रेस में आगे

नई दिल्ली,25 फरवरी 2025(ए)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, लोकसभा चुनावों में दक्षिण भारत में बढ़ते जनसमर्थन को देखते हुए पार्टी इस बार दक्षिण भारत के किसी नेता को अध्यक्ष बनाने पर विचार कर रही है, इस दौड़ में जी. किशन रेड्डी, बंडी संजय कुमार और प्रल्हाद जोशी के नाम प्रमुख रूप से सामने आ रहे हैं।

होली से पहले सरकारी कर्मचारियों को मिलेगी त्योहार की सौगात

नई दिल्ली,25 फरवरी 2025(ए)। सरकारी कर्मचारियों को एक बार फिर महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का इंतजार है। नियमों के अनुसार जनवरी 2025 से सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी किया जाना था। लेकिन सरकार ने अभी तक इस संबंध में कोई घोषणा नहीं की है। लेकिन इस बीच खबर आ रही है कि केंद्र की मोदी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को त्योहार की सौगात देने की पूरी तैयारी कर ली है और अब सिर्फ अधिकारिक घोषणा होना बाकि है। माना जा रहा है कि 10 मार्च के आस-पास डीए में बढ़ोतरी का ऐलान किया जा सकता है।

पेपर लीक मामले में 10 गिरफ्तार

स्ट्रांग रूम में पहुंचने के पहले चुराए गए थे पेपर

रांची,25 फरवरी 2025(ए)। झारखंड में दसवीं बोर्ड के पेपर लीक के मामले में पुलिस ने कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से छह लोगों को पुलिस ने मंगलवार को गिरिडीह के न्यू बरगंडा इलाके में दो घरों में छापेमारी कर गिरफ्तार किया है। ये सभी मैट्रिक के छात्र हैं। बताया जा रहा है कि गिरिडीह जिले में स्ट्रांग रूम में रखने के लिए भेजा गया पेपर इन्हीं में से एक छात्र ने चुराया था। गिरफ्तार किए गए छात्रों से पूछताछ चल रही है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा है कि पेपर लीक के मुख्य आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

राजनीतिक दल से उलझी प्रीति जिंटा

फेक न्यूज फैलाने का लगाया आरोप

मुंबई,25 फरवरी 2025(ए)। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने हाल ही में न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक से 18 करोड़ रुपये का कर्ज माफ होने की खबरों पर सफाई दी है। फिल्मों से दूर रहकर अमेरिका में बसीं प्रीति, जो आईपीएल टीम किंग्स 11 पंजाब से जुड़ी हैं, ने सोशल मीडिया पर अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा, 12 साल पहले मेरे पास बैंक से ओवरड्राफ्ट सुविधा थी, जिसे 10 साल पहले पूरी तरह चुका दिया गया और खाता बंद हो गया।

परिवार के पांच लोगों और गर्लफ्रेंड को उतारा मौत के घाट

तिरुवनंतपुरम,25 फरवरी 2025(ए)। केरल की राजधानी में एक सनसनीखेज घटना सामने आई। यहां एक युवक ने अपने परिवार के पांच सदस्यों और गर्लफ्रेंड को मौत के घाट उतार दिया। युवक ने वारदात को अंजाम देने के बाद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण भी कर दिया। अफान ने स्वीकार किया कि उसने अपनी दादी सलमाबीबी, 13 वर्षीय छोटे भाई अफसान, पिता के भाई लतीफ, लतीफ की पत्नी शाहिदा, और अपनी गर्लफ्रेंड फरजाना की हत्या कर दी।

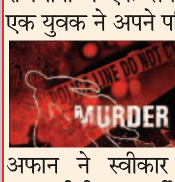

मामला 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े हत्या के एक मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का...

क्यों नहीं मिली सज्जन कुमार को फांसी की सजा

नई दिल्ली,25 फरवरी 2025 (ए)। दिल्ली की एक अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े हत्या के एक मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को मंगलवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने कहा कि कुमार की वृद्धावस्था और बीमारियों को देखते हुए उन्हें मृत्युदंड के बजाय कम कठोर सजा दी गई है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने एक नवंबर 1984 को जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या से जुड़े मामले में यह फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति बावेजा ने कहा कि कुमार ने जो अपराध किए, वे निस्संदेह क्रूर और निंदनीय थे, लेकिन उनकी 80 साल की उम्र और बीमारियों सहित कुछ ऐसे कारक भी थे, जो ÷उन्हें मृत्युदंड के बजाय कम कठोर सजा देने के पक्ष में थे।

सज्जन कुमार मामले पर अदालत ने क्या कहा?

भारतीय कानून में हत्या के अपराध के लिए अधिकतम मृत्युदंड, जबकि न्यूनतम उम्रकैद की सजा देने का प्रावधान है। अदालत ने कहा, ÷जेल प्राधिकारियों की रिपोर्ट के मुताबिक अपराधी का 'संतोषजनक' आचरण, जिन बीमारियों से वह पीड़ित है, यह तथ्य कि अपराधी की समाज में जड़ें हैं और उसमें सुधार एवं पुनर्वास की गुंजाइश उन कारकों में शामिल हैं, जो मेरी राय में फैसले को मृत्युदंड के बजाय आजीवन कारावास की सजा के पक्ष में झुकाते हैं। अदालत ने कहा कि कुमार के व्यवहार को लेकर कोई शिकायत सामने नहीं आई है और जेल प्राधिकारियों की रिपोर्ट के हिसाब से उनका आचरण संतोषजनक था। न्यायमूर्ति बावेजा ने कहा कि यह मामला उसी घटना का हिस्सा है और इसे उसी घटना की निरंतरता के रूप में देखा जा सकता है, जिसके लिए कुमार को 17 दिसंबर 2018 को दिल्ली उच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

क्या बोले न्यायमूर्ति?

जेल रिपोर्ट का हवाला देते हुए न्यायमूर्ति बावेजा ने कहा कि खराब स्वास्थ्य के कारण कुमार अपनी दैनिक कार्य ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने दोषी की मनोवैज्ञानिक और मानसिक मूल्यांकन रिपोर्ट पर गौर किया, जिससे पता चलता है कि वह सफदरजंग अस्पताल के मेडिसिन, यूरोलॉजी और न्यूरोलॉजी विभाग में उपचाराधीन था और उसे अवसाद रोधी तथा नींद की दवाएं सुझाई गई थीं। न्यायमूर्ति बावेजा ने कहा कि कुमार में मानसिक बीमारी के कोई लक्षण या संकेत नहीं दिखे हैं और उन्हें फिलहाल किसी मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कुमार पर लगभग 2.40 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने कुमार की सभी सजाएं एक साथ चलाने का आदेश दिया।

सिख विरोधी दंगों के दौरान उसने की थी हत्या

उच्च न्यायालय ने कुमार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए दंगों की एक घटना के दौरान पांच लोगों की मौत का दोषी ठहराया था। न्यायमूर्ति बावेजा ने कहा, मौजूदा मामले में दो निर्दोष व्यक्तियों की हत्या यकीनन कोई कम बड़ा अपराध नहीं है,लेकिन मेरी राय में उपरोक्त परिस्थितियां इसे 'दुर्लभतम से भी दुर्लभतम मामला' नहीं बनातीं, जिसके लिए मृत्युदंड दिया जाना उचित हो। उन्होंने कहा कि कुमार को उस भीड़ का हिस्सा होने के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई जाती है, जिसने पीड़ितों के घर को आग के हवाले कर दिया था, उनका सामान लूट लिया था और परिवार के दो सदस्यों की निर्मम हत्या कर दी थी।

अब बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिलेंगी दवाएं

- जल्द बदल जाएंगे नियम; क्या है सरकार का प्लान?
- देश में केवल गुणवत्तापूर्ण दवाएं ही बेची जाएंगी...
- स्वास्थ्य सचिव ने कहा- नियामक मानक मजबूत करें...
- कई दवाओं के निर्यात पर पहले ही लग चुका है प्रतिबंध

नई दिल्ली,25 फरवरी 2025 (ए)। दवाओं के दुरुपयोग को लेकर चिंताओं के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा है कि दवाएं बिना डाक्टर की पर्ची के न बेची जाएं। स्वास्थ्य सचिव ने राज्य दवा नियामकों के साथ बैठक में यह भी कहा कि गुणवत्तापूर्ण दवाओं की बिक्री सुनिश्चित करने के लिए नियामक मानकों को मजबूत किया जाना चाहिए।

स्वास्थ्य सचिव ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशीली दवाओं के अवैध इस्तेमाल पर लगाम लगाने और राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की नियामक क्षमताओं को मजबूत करने के तरीकों पर विचार करने के लिए राज्य दवा नियामकों के साथ सोमवार पर हुई इस बैठक की अध्यक्षता की।

डाक्टरों की पर्ची होने पर ही खरीद पाएंगे दवाएं

बैठक में स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए नियामक मानकों को मजबूत किया जाना चाहिए कि देश में केवल गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी दवाएं ही बेची जाएं।

बैठक के दौरान उन्होंने राज्य दवा नियामकों से सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि दवाएं केवल डाक्टरों की पर्ची या प्रेसक्रिप्शन के माध्यम से बेची जाएं ताकि मादक दवाओं को तस्करी या अन्य अवैध उपयोगों को रोका जा सके।

कई दवाओं के निर्यात पर लग चुका है प्रतिबंध

उन्होंने 905 दवा निर्माण और परीक्षण फर्मों के जोखिम-आधारित निरीक्षण को पूरा करने के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और राज्य दवा नियामकों की सराहना की।

निरीक्षणों के दौरान अब तक 694 कार्रवाई हुई है। यह बैठक भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) द्वारा दर्द निवारक दवाओं टेपेंटाडोल और कैरिसोप्रोडोल के उत्पादन और निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के मद्देनजर हुई है।

इन देशों में होती थी दवाओं की सप्लाई

रिपोर्ट के अनुसार इन दवाओं को मुंबई स्थित फार्मा कंपनी एविओ फार्मास्यूटिकल्स ने पश्चिम अफ्रीकी देशों में निर्यात किया था, जिससे वहां संकट पैदा हो गया था।

इन दवाओं का मादक पदार्थों के तौर पर नशे के लिए इस्तेमाल किए जाने का खतरा है। टेपेंटाडोल का उपयोग दर्द के इलाज के लिए किया जाता है, वहीं कैरिसोप्रोडोल मांसपेशी रिलैक्सेंट है जो दर्द से राहत देता है।

सीएम योगी के महाकुंभ वाले बयान पर अखिलेश का तीखा पलटवार,जुबानी जंग तेज

लखनऊ,25 फरवरी 2025 (ए)। यूपी विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा।महाकुंभ को लेकर विपक्ष के सवालों पर सीएम योगी ने तल्ख अंदाज में कहा, ÷महाकुंभ में हर किसी को वही मिला जो उसने तलाशा। गिद्धों को लाशें, सूअरों को गंदगी, संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरती, आस्थावानों को पुण्य, सज्जनों को सज्जनता और भक्तों को भगवान मिले।

इस बयान से सियासी हलचल मच गई। समाजवादी पार्टी के राष्टीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीएम के बयान पर कड़ा पलटवार किया।

अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर अखिलेश ने लिखा,महाकुंभ में जिन्होंने अपनों को ढूंढा, उन्हें न मृतकों की सूची में नाम मिला, न ही खोया-पाया रजिस्टर में। कुछ ने वहां राजनीतिक अवसर तलाशा और आत्मप्रचार का जरिया बनाया, लेकिन इस दौरान अपनी नैतिकता, सत्यनिष्ठा और संवेदनाएं खो दीं। उनकी वाणी का संतुलन भी बिगड़ गया। अशोभनीय शब्द नकारात्मक मानसिकता का परिचायक हैं, जो समय, स्थान और गरिमा की परवाह नहीं करते।

अखिलेश ने सीएम पर तंज कसते हुए कहा, महाकुंभ जैसे पवित्र आयोजन पर बोलते वक्त शब्दों का चयन सम्मान के अनुरूप होना चाहिए। बार-बार वहां जाने के बाद भी जिनका वैचारिक सुधार नहीं हुआ, उनके पाप और पतन को कौन माप सकता है? जिन्हें इन कथनों से ठेस पहुंची, उनसे अनुरोध है कि ऐसे लोगों के प्रति सहानुभूति रखें, आक्रोश नहीं। महाकुंभ को लेकर पहले भी सियासी बयानबाजी होती रही है, लेकिन अब योगी और अखिलेश के बीच यह जुबानी जंग और तेज हो गई है। सीएम के गिद्धों को लाश, सूअरों को गंदगी वाले बयान ने विवाद को नया मोड़ दे दिया है।

यमुना की सफाई पर सरकार कर रही राजनीति

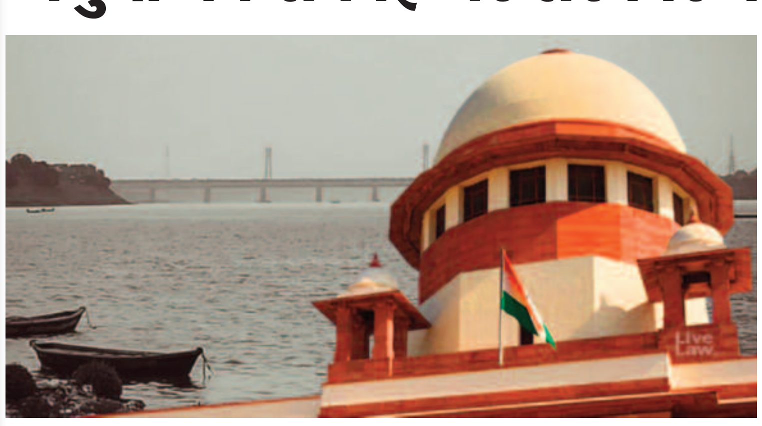

- अब तो सरकार बदल गई...
- सुप्रीम कोर्ट ने यमुना की सफाई पर क्या-क्या कहा?
- यमुना में प्रदूषण और पानी के बंटवारे पर सुनवाई...
- भाजपा ने यमुना को साफ करने का वादा किया...
- दिल्ली में यमुना की सफाई पर

तीन साल की योजना शुरू...

नई दिल्ली,25 फरवरी 2025(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली में यमुना की सफाई को लेकर बे ी टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि दिल्ली में सरकार बदलने से यमुना को लेकर सभी विवाद सुलझ सकते हैं। जिसमें प्रदूषकों से नदी को साफ करना और हरियाणा को पानी की उचित आपूर्ति सुनिश्चित करना शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2021 में इन मुद्दों पर स्वतः संज्ञान लिया था और तब से समय-समय पर आदेश पारित कर रही है।

हरियाणा, दिल्ली और यूपी में अब भाजपा सरकार

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी यमुना में प्रदूषण और पानी के बंटवारे पर सुनवाई के दौरान आई। यमुना दिल्ली पहुंचने से पहले दो राज्यों हरियाणा और उत्तर प्रदेश से होकर बहती है। पहले यह केवल हरियाणा और यूपी सरकार के नियंत्रण में थीं। लेकिन अब आम आदमी पार्टी पर हार के बाद तीनों राज्यों में भाजपा की सरकार है।

यमुना की सफाई पर चल रही राजनीति

दिल्ली में यमुना की सफाई को लेकर राजनीति चलती रही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर यह आरोप लगाया कि उनकी हरियाणा सरकार ने दिल्ली को आपूर्ति किए जाने वाले यमुना के पानी में ÷जहर÷ मिलाया है। केजरीवाल के दावे पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी खुद यमुना पहुंचे और पानी पिया। वहीं, इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हमला किया। पीएम मोदी ने केजरीवाल के दावों को घृणित कहा और दावा किया कि वह 11 वर्षों से यमुना का पानी पी रहे हैं।

शराब घोटाले को लेकर कैग रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

दिल्ली सरकार को हुआ 2002 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली,25 फरवरी 2025(ए)। दिल्ली विधानसभा में कैग रिपोर्ट को पेश कर दिया गया है। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने शराब नीति पर कैग रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट में कुल 14 रिपोर्ट के बारे में जिक्र है, मंगलवार को शराब नीति में हुए घोटाले की रिपोर्ट पेश की गई है।रिपोर्ट में बताया गया है कि आप सरकार के दौरान लाई गई नई शराब नीति के कारण दिल्ली सरकार को 2002 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। हंगामा के बाद आप के सभी विधायक सदन से बाहर मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस रिपोर्ट के पेश होने से पहले आप के विधायकों ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया था।हंगामे के कारण विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने आप के विधायकों को एक-एक कर बाहर करना शुरू कर दिया। स्पीकर ने आतिशी और गोपाल राय समेत आप के 12 विधायकों को सदन से आज दिन भर के लिए निष्कासित कर दिया था, इसके बाद आप के बाकी विधायक भी खुद ही बाहर चले गए और सदन के बाहर जाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

कोलकाता में भूकंप के लगे झटके

रिक्टर स्केल पर 5.1 मापी गई तीव्रता

कोलकाता,25 फरवरी 2025 (ए)। पश्चिम बंगाल में मंगलवार की सुबह एक भूकंप ने लोगों को हिलाकर रख दिया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, यह भूकंप सुबह ठीक 6:10 बजे आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र बंगाल की खाड़ी में था, जहां यह जमीन से 91 किलोमीटर की गहराई पर उत्पन्न हुआ। इस प्राकृतिक घटना ने कोलकाता और राज्य के कई अन्य इलाकों को प्रभावित किया। सुबह की शांति में हलचल सुबह-सुबह जब लोग अभी नींद से पूरी तरह जागे भी नहीं थे, तभी अचानक धरती के हिलने से हड़कंप मच गया।

अरविंद केजरीवाल ने सुब्रत रॉय पर नहीं की कार्रवाई

नई दिल्ली,25 फरवरी 2025(ए)। दिल्ली के तिहाड़ जेल में पूर्व अधीक्षक रहे सुनील गुप्ता ने एक पॉडकास्ट में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लेकर बड़ा खुलासा किया है।गुप्ता ने शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में उस समय की बात बताई, जब सहारा इंडिया के संस्थापक दिवंगत सुब्रत रॉय सहारा तिहाड़ में थे।उन्होंने बताया कि रॉय को जेल में सारी सुविधाएं दी जा रही थी। एक-दो बार उन्होंने उनके सेल में शराब भी पकड़ी थी, लेकिन केजरीवाल ने कार्रवाई नहीं की।

केरल में गुइलेन बैरे सिंड्रोम से 58 वर्षीय शख्स की मौत

तिरूवनंतपुरम,25 फरवरी 2025(ए)। केरल में गुइलेन बैरे सिंड्रोम से पीड़ित एक 58 वर्षीय शख्स की सोमवार को मौत हो गई। बता दें कि मृतक की पहचान जॉय इयपे के रूप में हुई हो जो मूल रूप से कोच्चि के कवाना का रहने वाला था। जॉय को इलाज के लिए कोट्टायम मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित एक खबर के मुताबिक, केरल में जीबीएस से मौत का यह पहला मामला है। जॉय का पिछले 28 दिनों से कोट्टायम मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा था। डॉक्टरों ने जीबीएस को मौत की वजह बताई है।

सास के साथ महाकुंभ में कैटरीना ने लगाई डुबकी

प्रयागराज,25 फरवरी 2025(ए)। अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है और इस भव्य पर्व के केवल दो दिन शेष हैं। साल 2025 के इस महापर्व में दुनियाभर से लाखों श्रद्धालु पहुंचे और इसके दिव्य अनुभव का आनंद लिया। 144 वर्षों में एक बार आयोजित होने वाले इस दुर्लभ महाकुंभ में बॉलीवुड सितारों की भी भारी मौजूदगी देखने को मिली। देशी और विदेशी सितारे इस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए और आस्था की पावन डुबकी लगाई। सोमवार को अक्षय कुमार के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ भी महाकुंभ का अनुभव लेने पहुंचीं। इस दौरान उनकी सास भी उनके साथ थीं। कैटरीना ने यहां पहुंचने के बाद विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया और अपने अनुभव को साझा किया।

संपादकीय

बजट में विशेष प्रावधान

उप्र की योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आठ लाख करोड़ का सबसे बड़ा बजट पेश किया। इसकी खासियत इंफ्रास्ट्रक्चर,गरीब,युवा,किसान, महिलाएं,धार्मिक पर्यटन रहा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने पर्यटन स्थलों के लिए 400 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए। अयोध्या व मथुरा के लिए क्रमशः 150-125 करोड़ रुपये तथा नैमीषारण्य के लिए सौ करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है। मलिन बस्तियों के विकास के लिए 400 करोड़ व अर्बन फ्लड स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना को हजार करोड़, स्मार्ट सिटी योजना को 450 करोड़, बेसहारा पशुओं के आश्रय के लिए 450 करोड़ रुपये का ऐलान किया। देश के अन्य राज्यों की खुद के कर प्राप्तियों में उप्र का अंश 2024-25 में 11.6 प्रतिशत रहा, जो महाराष्ट्र के बाद सर्वाधिक है। चूंकि जनवरी 24 से दिसम्बर 24 के दरम्यान राज्य में 65 करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए। जिनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 14 लाख बताई जा रही है। इसी माह केवल महाकुंभ के दौरान प्रयागराज आने वालों की संख्या 54 करोड़ आंकी जा रही है। इस सबसे सरकार को होने प्राप्त वाले जीएसटी, राजस्व व अन्य करों का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। मंदिरों को चढने वाले चढ़ावे में राम मंदिर तीसरे स्थान पर आ चुका है। ऊर्जा, लिंक-एक्सप्रेस-वे,सड़कों व पुलों के निर्माण के लिए बजट में विशेष प्रावधान करने के पीछे सरकार की मंशा आम नागरिक को प्रभावित करने की भी है। हालांकि कृत्रिम मेधा व साइबर सुरक्षा को 5 व 3 करोड़ रुपये देने के ऐलान ने स्पष्ट किया कि सरकार कुछ मामलों में सिर्फ खानापूर्ति कर रही है। इन आठ सालों में सड़कों की स्थिति बेहतर हुई है, मगर सरकार के पास वाहनों के लगातार बढ़ते दबाव व सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की कोई स्कीम नहीं है।सड़कों, एक्सप्रेस-वे, पुलों व मेट्रो के निर्माण के चलते शहरों/महानगरों की व्यवस्था चरमरा जाती है। शिक्षा-व्यवस्था, छात्रों व बेरोजगारों के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने के लिए सरकार को बेहतर कदम उठाने होंगे। हर सेक्टर को धन मुहैया कराने की आंकड़ेबाजी तो बस रवायत है। इसका असर निचले स्तर पर व्यावहारिक तौर पर नजर भी आना जरूरी है।

राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के प्रतीक हैं देवाधिदेव शिव

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि,जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति,आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 26 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊर्जाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र,धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिवपुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।''

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों से जुड़े हुए हैं प्रदर्शन कलाएँ और रंगमंच

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

मजदूर वर्ग को आजाद कराने और स्थापित सत्ता के खिलाफ क्रांति को मज़बूत करने के लिए 20वीं सदी की शुरुआत में नुक्कड़ नाटक का विकास हुआ। इसकी शुरुआत मुख्य रूप से उपनिवेशवाद विरोधी युग के दौरान भारत में वामपंथी रंगमंच कार्यकर्ताओं द्वारा की गई थी। यद्यपि नुक्कड़ नाटक और लोक नाटक में कई समानताएँ हैं, लेकिन नुक्कड़ नाटक एक सीधा-सादा कलात्मक माध्यम होने के बजाय एक सहभागी सामाजिक संचार प्रक्रिया है। इस निबंध में सामुदायिक विकास के एक उपकरण के रूप में नुक्कड़ नाटक के कार्य और क्षमता की जांच की गई है, जो सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देना चाहता है। 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के तुरंत बाद, थिएटर उद्योग में महत्त्वपूर्ण उथल-पुथल हुई। अधिक लोकप्रिय ल्मि शैलियों से प्रतिस्पर्धा ने मनोरंजन थिएटर उद्योग को नुक़सान पहुँचाया। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बंगलौर जैसे प्रमुख शहरों में शौकिया रंगमंच का विकास हुआ।

जैसे-जैसे क्षेत्रीय नाट्य परम्पराएँ विकसित हुई हैं,भारत का रंगमंच और प्रदर्शन कलाएँ सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक रही हैं। न्याय को बढ़ावा देने, सत्ता का विरोध करने और सामाजिक अन्याय की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए रंगमंच एक सशक्त माध्यम साबित हुआ है। बढ़ते क्षेत्रीय राष्ट्रवाद,राष्ट्र का प्रश्न और उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष की जटिल कथाओं ने क्षेत्रीय नाट्य परम्पराओं के विकास को प्रभावित किया है। उदाहरण के लिए, बंगाली नाटक नील दर्पण (1860) में बताया गया कि ब्रिटिश शासन के दौरान नील की खेती करने वाले किसानों का किस प्रकार शोषण किया जाता था। आधुनिक रंगमंच सांस्कृतिक उत्पादन के औपनिवेशिक मॉडलों और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रथाओं के प्रतिच्छेदन ने आधुनिक रंगमंच को आकार दिया है। रंगमंच सहित प्रदर्शन कलाएँ सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त साधन तथा चर्चा के लिए एक जीवंत मंच बनी हुई हैं। रंगमंच लंबे समय से भारत में जागरूकता बढ़ाने, सुधार और प्रतिरोध के लिए एक सशक्त साधन रहा है, जिसका प्रभाव राजनीतिक आंदोलनों के साथ-साथ सामाजिक संरचनाओं पर भी पड़ा है। शास्त्रीय रीति-रिवाजों से लेकर समकालीन नुक्कड़ नाटकों तक, इसने सामाजिक बदलावों को प्रतिबिंबित करने और प्रभावित करने के लिए कभी भी बदलाव करना बंद नहीं किया है। सामाजिक अन्याय को लंबे समय से रंगमंच के माध्यम से प्रकाश में लाया जाता रहा है।

ब्रिटिश शासन के दौरान नील की खेती करने वाले किसानों के शोषण को 1860 में बंगाली थियेटर के नील दर्पण द्वारा सार्वजनिक किया गया था। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर नाटकों और लोक प्रदर्शनों के माध्यम से संगठित किया गया था। रंगमंच के माध्यम से, भारतीय जन रंगमंच संघ (इप्टा) ने 1943 में उपनिवेशवाद विरोधी भावना को बढ़ावा दिया। निम्न वर्ग के समुदाय रंगमंच के माध्यम से अपनी पहचान व्यक्त करने में सक्षम रहे हैं। दलित सशक्तिकरण और अम्बेडकरवादी दर्शन को भीम नाट्य (महाराष्ट्र) द्वारा बढ़ावा दिया जाता है। रंगमंच का उपयोग भ्रष्टाचार को उजागर करने और नीतियों की आलोचना करने के लिए किया गया है। 1980 के दशक में,सफ़दर हाशमी के जन नाट्य मंच ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए जिनमें सरकारी नीतियों की आलोचना की गई; इसके कारण 1989 में उनकी हत्या कर दी गई। कानून और सामाजिक सुधार रंगमंच से प्रभावित हुए हैं। विजय तेंदुलकर की 1972 में प्रकाशित पुस्तक सखाराम बाइंडर में महिलाओं के अधिकारों और घरेलू दुर्व्यवहार के खुलासे पर चर्चा के परिणामस्वरूप सख्त सेंसरशिप कानून बनाये गये। धार्मिक और सामाजिक परंपराएँ- प्राचीन रंगमंच की मज़बूत धार्मिक और सामाजिक जड़ें थीं। कुटियाट्टम (केरल),जिसे 2001 में यूनेस्को द्वारा मान्यता दी गई थी, अभी भी संस्कृत रंगमंच की परंपराओं को क़ायम रखे हुए है। लोक रंगमंच के माध्यम से सामाजिक टिप्पणी वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों को लोक परंपराओं में प्रतिबिंबित किया गया है।

नक्सलवादी आंदोलन के दौरान वर्ग संघर्ष को जत्रा (बंगाल) में दर्शाया गया। आधुनिक रंगमंच में मानवाधिकार, लोकतंत्र और भ्रष्टाचार नए विषय बन गए। 1950 के दशक में हबीब तनवीर के नया थिएटर ने लोक और आधुनिक विषयों को मिलाकर सामाजिक मुद्दों को चित्रित किया। राज्य हस्तक्षेप और सेंसरशिप- राजनीतिक रूप से संवेदनशील नाटकों पर सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाए जाते हैं। विजय तेंदुलकर की 1972 की फ़िल्म घासीराम कोतवाल को जाति आधारित भ्रष्टाचार और शोषण को उजागर करने के कारण प्रतिबंधित कर दिया गया था। डिजिटल प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता ने थिएटर के प्रभाव और पहुँच को बढ़ा दिया है। सामाजिक सक्रियता के लिए, यूट्यूब आधारित थिएटर समूह, जैसे जन नाट्य मंच, डिजिटल प्रदर्शनों का उपयोग करते हैं। भारत और विदेश के सरकारी और निजी स्रोतों ने स्वतंत्रता के बाद से भारतीय रंगमंच को इसके अनेक रूपों में सहयोग दिया है, लेकिन यह हमेशा विशिष्ट प्रतिभाओं द्वारा संचालित रहा है और पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित रहा है, साथ ही स्वदेशी संसाधनों की ओर भी मुड़ता रहा है। इस अवधि के दौरान विजय तेंदुलकर, बादल सरकार, धर्मवीर भारती, मोहन राकेश और गिरीश कर्नाड, चंद्रशेखर कंबार, पी लंकेश और इंदिरा पार्थसारती जैसे आधुनिकतावादी नाटककार पैदा हुए; उनके नाटकों का उपयोग और अध्ययन पूरी दुनिया में किया गया है।

इन नाटककारों ने थिएटर में आधुनिकतावादी आक्रोश पर गहन औपचारिक कठोरता और विषयगत ध्यान केंद्रित किया। पहचान का संकट और वैश्वीकरण के परिणाम उन विषयों में से हैं जिन पर युवा लेखक वर्तमान में कई स्थानों पर चर्चा कर रहे हैं। आधुनिक भारतीय रंगमंच मुख्यतः तीन परंपराओं से प्रभावित है- संस्कृत रंगमंच, लोक रंगमंच और पश्चिमी रंगमंच। वास्तव में, तीसरा वह है जिसे आज भारतीय रंगमंच की आधारशिला माना जा सकता है। हम सभी देख सकते हैं कि समय के साथ रंगमंच और प्रदर्शन कलाएँ किस प्रकार विकसित हुई हैं, उन्होंने सत्ता को चुनौती दी है, न्याय को बढ़ावा दिया है, तथा सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित किया है। आज, पूरे देश में कई थिएटर समूह और निजी से लेकर सरकारी संस्थानों तक कई थिएटर अभिनय संस्थान हैं। अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए, उन्हें सांस्कृतिक संरक्षण, डिजिटल एकीकरण और नीति समर्थन के लिए पहल के माध्यम से अपनी स्थिति को मज़बूत करना होगा। जबकि शोषितों या आम जनता के जीवन में सामाजिक परिवर्तन लाना, नुक्कड़ नाटक आंदोलन और यात्रा के केंद्र में है।

कविता
महाशिवरात्रि का त्यौहार

घटती-घटना

टीकेश्वर सिन्हा
राजीव नंदन मिश्र
शाहपुर पट्टी
भोजपुर आरा,बिहार

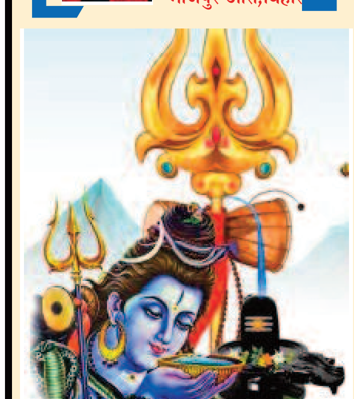

वसन्त का श्रृंगार है,
फागुन का बयार है।
सकल मनोरथ पूर्ण करने,
आया महाशिवरात्रि का त्यौहार है।।
फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष,
तिथि चतुर्दशी शिव भाये।
व्रत-पूजन करें नर-नारी,
भक्तों के मन हरसाये।।
वैराग्य जीवन त्याग किये,
देवी पार्वती संग व्याह रचाये।
श्रद्धापूर्वक करें जो अर्चना,
मनवाञ्छित फल पाये।।
गले धारण रुद्र किये है,
रुद्राक्ष अनुपम माला।
अद्भुत छवि इनकी लागे,
कटि में मृग की है छाला।।
त्रिशूल डमरू हस्त में सोहे,
शीश विराजे चन्द्रमा प्यारे।
गंगा जटा से निकले हर-हर,
लगाये मन महादेव जयकारे।।
दुग्ध जल चन्दन अक्षत,
ऊपर शिवलिंग चढ़ाये।
पुष्प विल्व शमी दूर्वा,
शोभा शिव की बढ़ाये।।
धतूरा-मंदार अतिप्रिय,
भोले को सदा सुहाये।
नन्दी सवारी करनेवाले,
विभूति भस्म अंग रमाये।।
दिखा धूप-दीप नैवेद्य चढ़ाकर,
आरती-मंगल गाये।
इहलोक में सुख भोगकर,
अन्तकाल शिवलोक को जाये।।
सुमिरन में महाकाल के,
जो जन है रम जाता।
रोग-व्याधि दुःख-कष्ट,
कभी उसको नहीं सताता।।
गली-गली शिव-बारात की,
निकली भव्य है झांकी।
घर-मन्दिर में पूजन होवे,
कोई जगह नहीं है बाकी।।

शिवलिंग का वैज्ञानिक रहस्य

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

शिवलिंग पर चढाये जल को लाँघा नही जाता और शिवलिंग की परिक्रमा आधी की जाती है. शिवलिंग पर अर्पित नैवेद्य भी नहीं खाया जाता उसे गऊ वंश को खिला दिया जाता है क्योंकि उनमें ही इसकी शक्ति को सहने की क्षमता होती है. भारत का रेडियोएक्टिविटी मैप उठा ले हैरान हो जायेंगे भारत सरकार के न्युक्लियर रियेक्टर के अलावा सभी ज्योतिर्लिंगो के स्थानों पर सबसे ज्यादा रेडियेशन पाया जाता है !शिवलिंग ओर कुछ नहीं बल्कि एक न्युक्लियर रिएक्टर्स ही तो है तभी तो उस पर जल चढाया जाता है ताकि वो शांत रहे ,महादेव के सभी प्रिय पदार्थ जैसे कि बिल्वपत्र, आक, धतूरा, गुड़हल, आदि सभी न्युक्लियर एनर्जी सोखने वाले हैं, शिव लिंग में अपार ऊर्जा है जो परमाणु अस्त्र के कई टन शक्ति के बराबर है जिसे पूजन और जल से स्नान कराके नियंत्रण में रियेक्टर की तरह ही शक्तिमान ऊर्जा देता है एक प्रकाश जैसा है शिवलिंग पर चढा पानी भी रिएक्टिव हो जाता है इसलिए तो जल निकासी नलिका को लाँघा नही जाता है भाभा एटॉमिक परमाणु रिएक्टर का डिजाइन भी शिवलिंग की तरह ही है, शिवलिंग पर चढ़ाया दूध,दही, मट्ठा व जल नदी के बहते जल के साथ मिलकर औषधि का रूप ले लेता है, तभी तो हमारे पूर्वज हम लोगों से कहते थे कि महादेव शिवशंकर अगर नाराज हो जायेंगे तो प्रलय आ जायेगी, ध्यान दें कि हमारी परम्पराओं के पीछे कितना गहन विज्ञान छिपा हुआ है ! जिस संस्कृति की कोख से हमनें जनम लिया वो तो चिर सनातन है ! विज्ञान को परम्पराओं का जामा इसलिए पहनाया गया ताकि वो प्रचलन बन जाए और हम भारतवासी सदा वैज्ञानिक जीवन जीते रहे. आपको ये जानकर आश्चर्य होगा कि भारत में ऐसे महत्वपूर्ण शिव मंदिर है जो केदारनाथ से लेकर रामेश्वरम तक एक ही सीधी रेखा में बनाये गए हैं ,आश्चर्य है कि हमारे पूर्वजो के पास ऐसा कैसा विज्ञान और तकनीक थी जिसे आज का विज्ञान आज तक नहीं समझ पाया,उत्तराखंड का श्री केदारनाथ तेलंगाना का कालेश्वरमआंध्रप्रदेश का कालहस्ती तमिलनाडु का एकंबरेश्वर चिदंबरम और अंततः रामेश्वरम मंदिरो को 79ई41%54 लॉन्गटूड की भोगोलिक सीधी रेखा में बनाया गया है, यह सारे मंदिर प्रकृति के 5 तत्वों में लिंग की अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसे हम आम भाषा में पंचभूत कहते हैं, पंचभूत यानि पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, और अंतरिक्ष, इन्हीं पाँच तत्वों के आधार पर इन पाँच शिवलिगों को प्रतिष्ठापित किया गया है, जल का प्रतिनिधित्व तिरूवनैकवल मंदिर में है,आग का प्रतिनिधित्व तिरूवन्नमलई में है,हवा का प्रतिनिधित्व कालाहस्ती में है, पृथ्वी का प्रतिनिधित्व कांचीपुरम में है, और अंत में अंतरिक्ष का प्रतिनिधित्व चिदंबरम मंदिर में है, वास्तु -विज्ञान - वेद के अदभुत समागम को दर्शाते हैं ये पाँच मंदिर में,भौगोलिक रूप से भी इन मंदिरो में विशेषता पाई जाती है, इन पाँच मंदिरो को योग विज्ञान के अनुसार बनाया गया था और एक दूसरे के साथ एक निश्चित भौगोलिक संरेखण में रखा गया है, इस के पीछे निश्चित ही कोई विज्ञान होगा जो मनुष्य के शरीर पर प्रभाव करता होगा, इन मंदिरो का करीब पाँच हजार वर्ष पूर्व निर्माण किया गया था जब उन स्थानों के अक्षांश और देशांतर को मापने के लिए कोई उपग्रह तकनीक उपलब्ध ही नहीं था तो फिर पुरातन विज्ञान इतना गहन था कि इतने सटीक रूप से पाँच मंदिरो को प्रतिष्ठापित किया गया था. केदारनाथ और रामेश्वरम के बीच 2384 किमी की दूरी है लेकिन ये सारे मंदिर लगभग एक ही समानांतर रेखा में पडते हैं, आखिर हजारों वर्ष पूर्व किस तकनीक का उपयोग कर इन मंदिरो को समानांतर रेखा में बनाया गया है यह आज तक रहस्य ही है, . श्रीकालहस्ती मंदिर में टिमटिमाते दीपक से पता चलता है वह ÷वायु लिंग÷ है तिरूवन्निका मंदिर के अंदरुनी पठार में जल बसंत से पता चलता है कि यह जल लिंग है अन्नामलाई पहाडी पर विशाल दीपक से पता चलता है कि वह अग्नि लिंग है . कांचीपुरम के रेत के स्वयंभू लिंग से पता चलता है कि वह पृथ्वी लिंग और चिदंबरम की निराकार अवस्था से भगवान की निराकारता यानि ÷आकाश तत्व÷ का पता चलता है.अब यह आश्चर्य की बात नहीं तो और क्या है कि ब्रह्मांड के पाँच तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाले पाँच लिगों को एक समान रेखा में सदियों पूर्व ही प्रतिष्ठापित किया गया है. हमें हमारे पूर्वजो के ज्ञान और बुद्धिमत्ता पर गर्व होना चाहिए कि उनके पास ऐसी विज्ञान और तकनीक थी जिसे आधुनिक विज्ञान भी नहीं भेद पाया है, माना जाता है कि केवल यह पाँच मंदिर ही नहीं अपितु इसी रेखा में अनेक मंदिर होंगे जो केदारनाथ से रामेश्वरम तक सीधी रेखा में पडते हैं, इस रेखा को शिवशक्ति अक्श रेखा भी कहा जाता है ! संभवतया यह सारे मंदिर कैलाश को ध्यान में रखते हुए बनाये गये हो जो 81.3119ए E में पडता है.कमाल की बात महाकाल से शिव ज्योतिर्लिंगों के बीच कैसा संबंध है जो पुरातन संस्कृति ने वैज्ञानिक रूप से बनाया जैसे-

उज्जैन से सोमनाथ -777 किमी
उज्जैन से ओंकारेश्वर - 111 किमी
उज्जैन से भीमाशंकर - 666 किमी
उज्जैन से काशी विश्वनाथ - 999 किमी
उज्जैन से मल्लिकार्जुन - 999 किमी
उज्जैन से केदारनाथ - 888 किमी
उज्जैन से त्रयंबकेश्वर - 555 किमी
उज्जैन से बैजनाथ - 999 किमी
उज्जैन से रामेश्वरम - 1999 किमी
उज्जैन से घृष्णेश्वर - 555 किमी

सनातनी धर्म हिंदू में बिना कारण के कुछ भी नहीं होता था, यानि उज्जैन पृथ्वी का केंद्र माना जाता है जो सनातन धर्म में हजारों सालों से मानते आ रहे हैं इसलिए करीब 2050 वर्ष पहले उज्जैन में सूर्य की गणना के लिए मानव निर्मित यंत्र भी बनाये गये थे उज्जैन से शेष ज्योतिर्लिंगों की दूरी अति रोचक है, और जब करीब 100 साल पहले पृथ्वी पर काल्पनिक रेखा (कर्क) अंग्रेज वैज्ञानिक द्वारा बनायी गई तो उनका मध्य भाग उज्जैन ही निकला. आज भी शोध हेतु वैज्ञानिक उज्जैन आते हैं और सूर्य और अंतरिक्ष की जानकारी प्राप्त करते हैं जो वैज्ञानिक शोध जारी है.

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

CMYK

महाशिवरात्रि पर धूमधाम से निकलेगी भगवान शिव की बारात

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिवशंकर कीर्तन मण्डली केदारपुर द्वारा महाशिवरात्रि पर्व 2025 के अवसर पर भगवान शिव की ऐतिहासिक बारात धूमधाम से निकाला जाएगा। यह आयोजन विगत 45 वर्षों चला आ रहा है। इस संबंध में बारात एवं मण्डली के संयुक्त कार्यक्रम प्रभारी भोला नाथ विश्वकर्मा एवं संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि शिव बारात की सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। उन्होंने बताया कि प्रति वर्ष बारात में शामिल होने वाले भक्तगणों की संख्या में काफी वृद्धि देखी जा रही है, इसे ध्यान में रखते हुए सभी कार्यक्रम निर्धारित किए जा चुके है ताकि यातायात व्यवस्था भी प्रभावित न हो तथा किसी भी प्रकार की कोई परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि भगवान शिव की आकर्षक बारात बुधवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर दोपहर 2 बजे शिव मंदिर सहेली गली प्रतापपुर नाका से ढोल, नगाड़े बाजे-गाजे, अबीर गुलाल एवं बम-पटाखों के साथ प्रस्थान करेगी। बारात के दौरान जगह-जगह पर भूत-प्रेत, चुडैल, नाग,गन्धर्व एवं किन्नरों द्वारा बारात का स्वागत किया जाएगा। बारात पूर्व निर्धारित मार्ग होते हुए गौरी मंदिर पुलिस लाईन पहुंचेगी, जहां रात्रि में शुभ विवाह सम्पन्न होगा तथा दूसरे दिन गुरुवार को सहेली गली, केदारपुर स्थित भगवान शिवमंदिर प्रांगण में आशीर्वाद समारोह के रूप में महाआरती पश्चात शाम 7 बजे से विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है।

हर हर महादेव के जयकारों से गुजेगा शिवालय

महाशिवरात्रि बुधवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। इसे लेकर जिला मुख्यालय अंबिकापुर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के शिव मंदिरों में तैयारी पूर्ण कर ली गई है। मंदिरों को विशेष आकर्षक लाइट से सजाए गए हैं। इसे लेकर पूजा समितियों द्वारा मंदिरों के रंगाई पुताई की तैयारी पूर्व से ही शुरू कर दी गई थी। शहर के चौपाटी स्थित शिव मंदिर, नमनाकला, गांधीनगर, सत्तीपारा, दर्रीपारा, महामाया मंदिर, दुर्गा मंदिरों में महाशिवरात्रि को लेकर तैयारी पूर्ण कर ली गई। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों के आने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। वहीं दोपहर बाद प्रसाद वितरण व भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा।

10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा की गोपनीय सामग्री वितरित,थाने में रखा गया सुरक्षित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी परीक्षा वर्ष 2025 हायर सेकण्डरी 1 से 28 मार्च तक तथा हाईस्कूल परीक्षा 3 से 24 मार्च तक आयोजित होगी। इस वर्ष जिले में हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा के लिए 75 केन्द्र निर्धारित किए गए हैं। इसमें 17 हजार 459 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। मंगलवार को परीक्षा की गोपनीय सामग्री का वितरण अंबिकापुर मल्टीपरपज स्कूल से किया गया। परीक्षा सामग्री लेने के बाद केंद्राध्यक्षों ने मिलान कर समन्वयक केंद्र में ही पेटी में सील की। इसके बाद निर्धारित रूट वाली टीम को एक साथ बस में बैठाकर पुलिस की सुरक्षा में रवाना किया गया। केंद्राध्यक्षों ने परीक्षा सामग्री अपने-अपने नजदीक के थाने में लेकर जाकर जमा कर दी। अब परीक्षा के दिन पुलिस की मौजूदगी में थाने से गोपनीय सामग्री दी जाएगी। कक्षा 10वी की परीक्षा 3 मार्च से 24 मार्च तक चलेगी। कक्षा 10वीं के लिए कुल 9415 परीक्षार्थियों ने पंजीयन कराया है। वहीं कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 1 मार्च से 28 मार्च तक चलेगी। इसके लिए 8044 परीक्षार्थियों ने पंजीयन कराया है। दोनों परीक्षा सुबह 9.15 से दोपहर 12 .15 बजे तक होगी। 75 परीक्षा केन्द्र के केन्द्राध्यक्ष मंगलवार को गोपनीय सामग्री लेने टीम के साथ पहुंचे थे। यहां सभी दस्तावजों का मिलान करने के बाद गोपीनीय सामग्री पेटी में सील कर दिया गया।

इसके बाद सुरक्षित बस द्वारा एक चार के गार्ड के साथ मल्टीपरज से रवाना किया गया। गोपनीय सामग्री जिले के 14 थाना व चौकी में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है। परीक्षा के दिन पटवारी द्वारा थाना से परीक्षा सामग्री निकालकर केन्द्राध्यक्ष को देंगे। इसके बाद परीक्षा संचालित होगी। कक्षा 10-12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए जिले में कुल 75 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा के दौरान नकल रोकने के लिए कलेक्टर सरगुजा द्वारा 10 उडऩदस्ता टीम बनाए हैं। वहीं डीईओ द्वारा भी 2 उडऩदस्ता टीम बनाए गए हैं।

धोखधड़ी के मामले में फर्म के चार सदस्यों पर रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

धोखधड़ी के मामले में कोतवाली पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर फर्म के चार पार्टनरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। शिवशंकर तिवारी बौरीपारा के रहने वाला है। पूर्व से इसकी जान पहचान चंद्र किशोर तिवारी,अतुल तिवारी दोनो निवासी केदारपुर अम्बिकापुर,आलोक तिवारी निवासी 10 उद्यानपथ चौबे कालोनी, रायपुर,आरती देशमुख पत्नि मनोज देशमुख निवासी मकान नंबर एच 24, शिवधारी कालोनी प्रतापपुर नाका अम्बिकापुर से थी। इन सभी लोगों ने मिलकर वर्ष 2013 में फर्म तिवारी कंस्ट्रक्शन का पंजीयन बिलासपुर से कराया था। और उक्त फर्म द्वारा भवन निर्माण का कार्य शासकीय टेंडर प्राप्त कर किया जाता था। वर्ष 2017 में शिवशंकर के साथ अन्य चार पार्टनरों ने नोटरी से शपथपत्र तैयार कराकर फर्म के समस्त कार्यों को करने की सहमती दी थी। शासकीय टेंडर मिलने पर शिवशंकर तिवारी ने बाजार से लगभग 2 कोड़ 30 लाख रुपए का उधार निर्माण सामग्री लेकर ठेकेदारी कार्य में लगाया था। इसके बाद कंपनी को अधिक मुनाफा भी हुआ था।

शिवशंकर ने उधार रूपयों की मांग की तो चारो सहयोगियों ने देने से इंकार कर दिया और कहा कि आपने लिया है तो आप समझो। उधार की राशि देने से इंकार करने पर शिवशंकर ने फर्म के बैंक खाते को होल्ड 31 मई 2024 को करा दिया। फर्म बैंक खाता होल्ड होने के बाद चारों अनावेदकों ने 10 जुलाई कार्यालय उप पंजीयक अम्बिकापुर (पंजीयन) में उपस्थित होकर सुनियोजित साजिश करते हुए, शिवशंकर द्वारा लिए गए उधार निर्माण सामग्रियों के 2 करोड़ 30 लाख रुपए व फर्म में लगाई गई अंश पूजी व लाभांश को हड़पने के लिए कूटरचना कर फर्म के पंजीयन की अवधि के रहते हुए ही पुर्ननिर्माण करा दिया गया। शिवशकर को बिना उसकी सहमति एवं उसके अंशपूंजी का भुगतान किय बगैर,बिना सूचना के मेसर्स तिवारी कंस्ट्रक्शन फर्म से निकाल दिया गया। इसके बाद चारो अनावेदकों ने आवेदक के फर्जी हस्ताक्षर कर होल्ड बैंक खाते को अनहोल्ड करा लिए थे। तथा खाते में जमा संपूर्ण रकम आहरित कर लिया गया था। आवेदक द्वारा अनावेदकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की शिकायत कोतवाली में की थी। पर पुलिस ने अहस्तक्षेप योग्य मामला मानते हुए उसे न्यायालय जाने की सलाह दी थी। इसके बाद आवेदक ने मामले को न्यायालय में लगाया था। न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी चंद्र किशोर तिवारी, अतुल तिवारी, आलोक तिवारी, आरती देशमुख के खिलाफ धारा 318(4), 319 (2). 320, 322, 336 (3). 338, 340 के तहत तहत रिपोर्ट दर्ज किया है।

किसी भी छोटे व्यापारी को गुमाश्ता का पंजीयन नहीं कराना पड़ेगा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में व्यापारियों के लिए नया नियम लागू किया है जिससे गुमाश्ता अधिनियम को समाप्त कर दिया गया है। इस नए नियम को कॉन्फिड्रेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने स्वागत किया है। इस नए नियम में स्पष्ट किया गया है कि अब किसी भी छोटे व्यापारी को गुमाश्ता का पंजीयन नहीं कराना पड़ेगा, जिन संस्थाओं में दस कर्मचारी से ज़्यादा लोग कार्यरत है उन्हें श्रम विभाग से पंजीयन कराना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा की कर्मचारियों को सप्ताह में एक दिन का अवकाश दिया जाए इसकी जानकारी श्रम विभाग में देना होगा ! कर्मचारियों की ड्यूटी रोटेशन के आधार पर लिया जा सकता है और चौबीसों घंटे व्यवसाय का संचालन किया जा सकता है ! इस नियम में महिलाओं से भी व्यापारिक प्रतिष्ठान में चौबीसों घंटे कार्य लिया जा सकता है । इस नियम के लागू होने से अब किसी भी व्यापारी को नगर निगम का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा साथ ही श्रम विभाग से भी व्यापारियों को मुक्ति मिल गई है। नए नियम लागू होने से व्यापारियों में भ्रांति व्याप्त थी कि हमे फिर से कोई नया पंजीयन कराना होगा , इस संदर्भ में व्यापारियों की ओर से चिंता व्यक्त कैट के अध्यक्ष रविन्द्र तिवारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसमें श्रम पदाधिकारी नितेश विश्वकर्मा से चर्चा कर नए नियम के बारे जानकारी लिया गया। उक्त जानकारी के अनुसार अब दुकान खोलने और बंद करने की समय बाध्यता समाप्त हो गई है साथ ही मंगलवार को अवकाश रहता था वह भी अब बंद हो गया है अर्थात अब व्यवसाय का संचालन चौबीसों घंटे और पूरे सप्ताह किया जा सकता है किसी दिन भी बंद नहीं रहेगा और कोई व्यापारी बंद रखना चाहता है तो बंद रखने के लिए स्वतंत्र है ।

खुशहाल व विकसित राष्ट्र बनाने में छात्राओं की अहम भूमिका

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज बीएससी भाग तीन (गणित व कंप्यूटर विज्ञान) की छात्राओं विदाई दी गई। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सि. शांता जोसेफ के निर्देश में हुआ। आलोक चक्रवर्ती सहायक प्राध्यापक गणित द्वारा प्रत्येक छात्रा को शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनने की बात कही गई। उन्होंने उदाहरण सहित युवा शब्द के अर्थ को स्पष्ट करते हुए एक खुशहाल व विकसित राष्ट्र बनाने में छात्राओं की अहम भूमिका को प्रकाशित किया। प्रत्येक छात्रा से शिक्षा प्राप्त कर समाज के बीच एक अच्छा इन्सान बनने की अपील की। डॉ.सि. दिव्या गुलाब मिंज सहायक प्राध्यापक गणित द्वारा सभी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की ईश्वरीय कामना की गई। कार्यक्रम में कनिष्ठ छात्राओं द्वारा वरिष्ठ छात्राओं के निमित्त विविध रंगारंग कार्यक्रम को स्थापित कर रोचकता प्रदान किया गया। मंच संचालन छात्रा आर्या नामदेव, वर्षा एक्का व अंशु गुप्ता तथा आभार प्रदर्शन छात्रा दिव्या पांडे ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के रसायन विभाग में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डॉ. उषा शुक्ला तथा गणित विभाग से श्वेता सिंह, भौतिकी विषय से हरलीन कौर तथा महाविद्यालय में पदस्थ अन्य विभाग के शिक्षक व बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहे।

छठ घाट के लिए भूमि पूजन आज करेंगे पूर्व उपमुख्यमंत्री

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

शिव सागर बांध में छठ घाट का भूमिपूजन पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव बुधवार की दोपहर 12.30 बजे करेंगे। सरगुजा राजपरिवार की निजी भूमि पर सूर्योपासना के पवित्र छठ पर्व के लिए शिव सागर तालाब में व्यवस्थित छठ घाट का निर्माण कराया जा रहा है। शहर के सबसे व्यवस्थित और खूब सूरत घाट में से एक शिव सागर बांध में घाट निर्माण का भूमिपूजन आज महा शिवरात्रि पर्व पर उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव और क्षेत्र के गणमान्य जनों की उपस्थिति में किया जाएगा। इस अवसर पर भव्य भंडारा का आयोजन है। पैलेस छठ घाट आयोजन समिति के सदस्यों ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया है।

अम्बिकापुर,25 फरवरी 2025(घटती-घटना)। पतंजलि परिवार के द्वारा लगभग एक महीने से रायल पार्क कालोनी अंबिकापुर जिला सरगुजा में प्रातः 5¬30 बजे 7¬ 00 बजे तक नियमित रूप से योग विज्ञान सत्र का संचालन किया जा रहा है।

व्यापार एवं उद्योग केन्द्र से संचालित योजनाओं से जुडक़र स्वरोजगार से जुड़ें

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था अम्बिकापुर में उद्यमिता जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएफई), स्टार्ट अप, स्टैण्ड अप योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एवं नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 की विस्तृत जानकारी विभागीय अधिकारियों द्वारा आईटीआई कॉलेज के छात्र,छात्राओं एवं प्रशिक्षकों दी गई। इस दौरान सूर्यप्रकाश त्रिपाठी, उप संचालक रोजगार द्वारा उद्यमिता जागरुकता शिविर की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक स्वरोजगार स्थापना एवं मूल्य संवर्धन पर प्रकाश डाला। आईटीआई कॉलेज के प्राचार्य चंदेश्वर पैकरा द्वारा विभाग में संचालित शासकीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभान्वित होकर स्वरोजगार स्थापित करने हेतु कहा गया। इस दौरान विवेक गुप्ता, उप संचालक ग्रामोद्योग, पवन ओझा, प्रबंधक, सूर्योदय साहू, सहायक प्रबंधक एवं देवेन्द्र कुमार गुप्ता, सहायक प्रबंधक शामिल रहे।

बलरामपुर जिला सहकारी केंद्रीय मार्य0 बैंक में अव्यवस्था से ग्राहक तथा किसान परेशान है

» बैंक के बाहर लाइन में किसान

» बैंक प्रबंधक एव जिला प्रशासन को नहीं है सुध लेने की फुरसत

- संवाददाता -
बलरामपुर,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिला सहकारी केंद्रीय मार्य0 बैंक में अव्यवस्था से किसान सहित ग्राहक परेशान है,एक कोठरीनुमा रूम में बैंक का संचालन किया जा रहा है,बैंक आने वाले ग्राहकों के बैठक व्यवस्था के तो दूर की बात,तपती धूप में भी छाया का कोई व्यवस्था नहीं किया गया है।

आपको बता दे कि बलरामपुर जिला मुख्यालय में,जिला कलेक्टर के नाक के नीचे,जिले का जिला सहकारी केंद्रीय मार्य0 बैंक संचालित हैं,जिसकी अव्यवस्था के संबंध में जिला प्रशासन व्यवस्था दुरुस्त करा पाते हैं कि नहीं। जिला प्रशासन को सुध लेने की फुरसत नहीं है,दिन-दिन भर किसान लाइन में लगाकर तपती धूप में अपने बारी का इंतजार करते नजर आ रहे हैं,जिनको धूप से बचने को छाया का इंतजाम नहीं है,पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है,बैठने का कोई जगह नहीं है।

बैंक के अंदर परेशान ग्राहक/किसान

अब देखने वाली बात यह है कि,क्या खबर प्रकाशन के बाद

CMYK

अंतरिम सरकार के सूचना सलाहकार नाहिद इस्लाम का इस्तीफा, बोले- जल्द बनाएंगे नई सियासी पार्टी

ढाका,25 फरवरी 2025। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सूचना सलाहकार और छात्रों के आंदोलन के प्रमुख नेता नाहिद इस्लाम ने मंगलवार को मोहम्मद यूनुस की कैबिनेट से इस्तीफा दिया। इस्तीफा देने के बाद उन्होंने बताया कि वह जल्द ही एक नई सियासी पार्टी बनाने वाले हैं, जिसका नेतृत्व वे कार्यकर्ता करेंगे, जो पिछले साल जुलाई की उथल-पुथल के दौरान सक्रिय थे।

देश में नई राजनीतिक ताकत का उभरना जरूरीः नाहिद इस्लाम

उन्होंने अपना इस्तीफा बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को सौंपा। नाहिद इस्लाम ने मीडिया से बातचीत में कहा,देश की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए एक नई राजनीतिक ताकत का उभरना जरूरी है। मैंने सलाहकार परिषद से इस्तीफा इसलिए दिया है, ताकि मैं सड़क पर रहकर जन आंदोलन को मजबूत कर सकूं।

हसीना शासन के दौरान छात्र आंदोलन का किया था नेतृत्व

नाहिद इस्लाम पिछले साल जुलाई महीने में प्रदर्शन का नेतृत्व करने वालों में से एक थे। इन प्रदर्शनों के कारण अवामी लीग के नेतृत्व वाली सरकार का पतन हुआ और शेख हसीना को प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा देकर भारत भागना पड़ा। इस्लाम ने कहा कि सड़क पर उनका काम सरकार में रहने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है और वह लोकतांत्रिक बदलाव के लिए लोगों की आकांक्षाओं के साथ काम करना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने सूचना सलाहकार का पद छोड़ा।

नाहिद इस्लाम को सलाहकार परिषद में दी गई थी जगह

भेदभाव-विरोधी छात्र आंदोलन के कारण अवामी लीग के नेतृत्व वाली सरकार का पांच अगस्त को पतन हुआ। इसके तीन दिन बाद नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के प्रमुख पदभार संभाला था। इस्लाम छात्र आंदोलन के उन तीन प्रमुख प्रतिनिधियों में से एक थे, जिन्हें सलाहकार परिषद में जगह दी गई थी।इस्लाम का इस्तीफा ऐसे समय में आया है, छात्रों के नेतृत्व वाले संगठन जातीय नागोरिक कमेटी (राष्ट्रीय नागरिक समिति) ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की कि वह एक नई राजनीतिक पार्टी का गठन करेंगे। हालांकि, पार्टी का नाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है।

हमारा रक्षा खर्च सीमित..., चीन ने ठुकराई सैन्य व्यय में कटौती की ट्रंप की पेशकश

बीजिंग,25 फरवरी 2025। चीन ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रस्ताव पर सहमति से इनकार कर दिया है, जिसमें उन्होंने अमेरिका, रूस और चीन के रक्षा बजट में 50 फीसदी की कटौती की बात की थी। बीजिंग ने कहा कि उसका रक्षा पर होने वाला खर्च सीमित है, और यह केवल उसकी अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और विकास के हितों की रक्षा करने के लिए है।

ट्रंप की पेशकश पर क्या बोला चीन

ट्रंप की पेशकश पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, चीन का सीमित रक्षा खर्च पूरी तरह से राष्ट्र की संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की रक्षा करने और दुनिया में शांति बनाए रखने की आवश्यकता के कारण है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्या कहा था

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 13 फरवरी को कहा था,मेरी पहली बैठक राष्ट्रपति शी जिनपिंग और राष्ट्रपति पुतिन से होगी। मैं यह कहना चाहता हूं.. आओ, हम अपना सैन्य बजट आधा करें। हम ऐसा कर सकते हैं। मुझे लगता है कि हम इसे करने में सक्षम होंगे।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को इस पर प्रतिक्रिया दी थी और इसे एक अच्छा विचार बताया था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह एक अच्छा विचार है। अमेरिका (रक्षा व्यय) पचास फीसदी कम करेगा और हम भी 50 फीसदी कम करेंगे और फिर चीन चाहे तो वह भी शामिल हो सकता है।

ट्रंप और पुतिन की टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया में लिन ने कहा कि चीन शांतिपूर्ण विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। उसका सीमित रक्षा खर्च अपनी संप्रभुता और विकास हितों की रक्षा करने के लिए है। उन्होंने कहा, चीन आत्मरक्षा की रणनीति अपनाता है, अपनी अर्थव्यवस्था और राष्ट्र की रक्षा के बीच तालमेल को बढ़ावा देता है और किसी भी देश के साथ हथियारों की दौड़ में कभी शामिल नहीं होता।

कुंवरपुर जंगल में महिला का मिला जला कंकाल

» आरोपी पति के निशानदेही मध्य प्रदेश और सरगुजा पुलिस ने महिला के शव का कंकाल किया बरामद

» पत्नी के शक करने की वजह से पति था परेशान उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरपुर से घूमने के बहाने कुंवरपुर जंगल में लाकर पत्नी की हत्या कर पेट्रोल डालकर जलाया

- संवाददाता -
लखनपुर, 25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुंवरपुर जंगल में महिला की जली कंकाल मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पत्नी के शक करने से परेशान आरोपी पति ने घूमने के बहाने पत्नी को लखनपुर के कुंवरपुर जंगल ले जाकर गला घोट कर हत्या कर पेट्रोल डालकर जला दिया और उसके बाद उसने मध्य प्रदेश के शहडोल जीआरपी थाने पहुंचे पत्नी की गुमसूदगी की रिपोर्ट दर्ज कर दी। वहीं जांच उपरांत आरोपी पति के निशान देही पर मध्य प्रदेश और सरगुजा पुलिस कुंवरपुर जंगल पहुंची और महिला के शव में जला कंकाल बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अंबिकापुर भेजा गया है। 25 फरवरी दिन मंगलवार की शाम लगभग 5 बजे लखनपुर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक प्रार्थी सहायक उप निरीक्षक देवनारायण बिजोरिया पिता स्वर्गीय जय राम बिजोरीया उम्र 56 वर्ष थाना जीआरपी शहडोल जिला शहडोल मध्य प्रदेश निवासी के द्वारा लखनपुर थाना पहुंचे दर्ज कराया गया कि 14 फरवरी 2025 की शाम लगभग 4 बजे आरोपी अमरीश कुमार पिता भग्गू उम्र 32 और जाति निषाद राज ग्राम कसौली थाना चरथाबल जिला मुजफ्फरपुर उत्तर प्रदेश निवासी द्वारा अपनी पत्नी मोनी निषाद राज उम्र 28 वर्ष के अनूपपुर से कटनी जाने के दौरान ट्रेन के अनूपपुर रेलवे स्टेशन से चलने के तुरंत बाद उसकी पत्नी फ्रेश होना जाना बोलकर गई थी।जो वापस नहीं आई। अमरीश कुमार द्वारा अपनी पत्नी का पता तलाश किया गया नहीं मिलने पर थाना जीआरपी शहडोल जिला शहडोल मध्य प्रदेश में गुम इंसान क्रमांक 1/2025 दिनांक 14 फरवरी को दर्ज किया गया। जिसकी प्रारंभिक जांच प्रधान आरक्षक अमोल सिंह द्वारा की गई। अग्रिम जांच हेतु गुम इंसान की डायरी प्राप्त होने पर सूचनाकर्ता अमरेश कुमार निषाद से पूछताछ करने पर बताया कि उसकी पत्नी मोनी निषाद राज द्वारा उसका अन्य लड़की से संबंध होने की शंका करके लगातार लड़ाई झगड़ा करती रहती थी। जिसे वह परेशान रहता था। इसी वजह से उसने अपनी पत्नी मोनी निषाद राज को घूमने के बहाने 11 फरवरी 2025 को छत्तीसगढ़ सरगुजा लखनपुर के ग्राम कुंवरपुर के जंगल में सुनसान जगह पर लेकर जाकर करीब 12=30 बजे दिन में साल से मोनी निषाद राज का गला दबाकर जान से मार दिया उसके बाद उसपर पेट्रोल डालकर जला दिया। आरोपी पति अमरीश कुमार निषाद राज के निशानदेही पर एक जला हुआ शव कंकाल बरामद किया गया। जिसे अमरीश कुमार निषाद ने अपनी पत्नी होना बताया ।लखनपुर पुलिस थाना में धारा 103(1) 238 बीएनएस का अपराध दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम हुआ संपन्न

- संवाददाता -
लखनपुर, 25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के जनपद सभाकक्ष में 25 फरवरी दिन शुभ मंगलवार को सरगुजा कलेक्टर विलास भोस्कर निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ विजय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एनआरएलएम (हह्यद्व) विभाग की समूह की दीदियों , पीआरपी (क्कक्रक्क) सक्रिय महिला,कृषि सखी,पशु सखी,बैंक सखी द्वारा अपनी द्वारा किए जा रहे कार्यों से होने वाली बचत के विषय में विस्तार से बताया।बैंक सखी और वित्तीय साक्षरता बैंक सखी द्वारा बैंक में खाता खोलने,बीमा करवाने की प्रक्रिया से सभी को अवगत कराया।

कार्यक्रम में वित्तीय साक्षरता जागरूकता वीडियो को प्रदर्शित किया गया।

आज की बचत कल की सुरक्षा संकल्प लिया गया*।

कार्यक्रम 200 महिलाएं शामिल हुई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह, जनप्रतिनिधि श्रीमती चित्रा मिश्रा मुख्यकार्यपालन अधिकारी वेद प्रकाश पांडे,एबीपी फेलो सुश्री शुभिता शुक्ला , हृद्यस्दैनिक भास्करक्कक्र मनोज , ह्रक्रविभाग,घ्ट के अजय तिर्की ,रूही शबा, ममता दास समस्त क्कक्रक्कऔर बैंक अधिकारी जनपद कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

पांच रूटों में भेजीं गईं गोपनीय सामग्रियां

» डीईओ भारती वर्मा ने हरी झंडी दिखा किया बसों को किया रवाना

» हरी झंडी दिखा गोपनीय सामग्रियों की बसों को रवाना करतीं जिला शिक्षा अधिकारी भारती वर्मा

- संवाददाता -
सूरजपुर, 25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 10वीं 12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए मंगलवार को बालक शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सूरजपुर समन्वय संस्था से गोपनीय सामग्रियों का वितरण कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी भारती वर्मा की उपस्थिति में गोपनीय सामग्रियों को सुरक्षा कर्मियों की टीम के साथ अलग-अलग रूटोबमें पांच बसों से रवाना किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर इन सामग्री से भरी बसों को गंतव्य की ओर रवाना किया है। सूरजपुर जिले में कुल 73 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।इन केंद्रों के अंतर्गत आने वाले पुलिस थाने में गोपनीय सामग्रियां सुरक्षित रखी जाएंगी। जिला शिक्षा अधिकारी भारती वर्मा ने बताया कि सूरजपुर जिले में दसवीं बोर्ड परीक्षा में 10245 व 12वीं बोर्ड परीक्षा में 7915 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों में व्यापक व्यवस्था की गई है। सभी केंद्राध्यक्षों व संस्था के प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने परीक्षा केंद्रों में बेहतर व्यवस्था रखें।परीक्षार्थियों को किसी तरह की परेशानी नहीं आनी चाहिए। गोपनीय सामग्री वितरण के दौरान बालक शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल समन्वय संस्था के केंद्र प्रभारी लैफ सिंह, लता बेक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

तृतीय चरण में हुए जिला पंचायत सदस्यों के निर्वाचन परिणाम की घोषणा

रिटर्निंग ऑफिसर ने नवनिर्वाचित सदस्यों को प्रदाय किया विजयी प्रमाण-पत्र

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के अंतर्गत तृतीय चरण में हुए जिला पंचायत सदस्यों के निर्वाचन मतों के गणना की परिणाम घोषणा कर दी गई है। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में रिटर्निंग ऑफिसर पंचायत श्री विनय कुमार अग्रवाल ने नवनिर्वाचित सदस्यों को विजयी प्रमाण पत्र प्रदान किया। तृतीय चरण में क्षेत्र क्रमांक 08 से 10 तक हुए निर्वाचन में जिला पंचायत सरगुजा के निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 08 से 04 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में थे, जिसमें निरूपा सिंह को 15989 मत, संकुती बाई को 11209 मत, सरस्वती पावले को 5383 मत, शकुन्तला कोरवा को 2287 मत प्राप्त हुए।

जिला पंचायत सरगुजा के निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 09 से 12 अभ्यर्थी चुनाव लड़ रहे थे। जिसमें बृजमोहन त्रिपाठी को 800 मत, देवानन्द गिरी को 1054 मत, देवनारायण यादव को 12686 मत, दिलीप कुमार यादव को 578 मत, दिलराज टोप्पो को 1763 मत, गणेश श्रीवास को 1805 मत, गंगा प्रसाद को 9286 मत, पौलुस कुजुर को 2024 मत, राम बचन दास को 560 मत, शैलेश कुमार सिंह बाबा को 5223 मत, सीताराम को 419 मत, उपेंन्द्र गुप्ता को 2015 मत प्राप्त हुए।

जिला पंचायत सरगुजा के निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 10 से 06 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में थे जिसमें आशा तिर्की को 9510 मत , नानमणी राजेंन्द्र पैकरा (वकील) को 12710 मत, शशि प्रभा लकड़ा को 4325 मत, शिमला बाई को 4381 मत, सुन्दरी पैकरा को 7857 मत, तरसिला कुजुर को 3886 मत प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के क्षेत्र क्रमांक 08 से श्रीमती निरूपा सिंह 4780 मत, क्षेत्र क्रमांक 09 से श्री देव नारायण यादव 3400 मत, क्षेत्र क्रमांक 10 से नानमणी राजेंद्र पैंकरा 3200 मतों से विजय प्राप्त किए हैं।

मन में शान्ति नहीं तो कितना भी धन-दौलत हो पर किसी काम की नहीं

» सात दिवसीय शिव दर्शन आध्यात्मिक मेला का भव्य

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय अम्बिकापुर द्वारा महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सात दिवसीय शिव दर्शन आध्यात्मिक मेला का भव्य उद्घाटन समारोह 24 फरवरी सोमवार को संध्या 6 बजे सम्पन्न हुआ । मुख्य अतिथि के रूप में सांसद चिन्तामणि महाराज, नवनिर्वाचित महापौर मंजूषा भगत, पार्षद आलोक दुबे, करता राम गुप्ता,वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर,मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी,पूर्व नेता प्रतिपक्ष नगर निगम अंबिकापुर जन्मेजय मिश्रा,पार्षद निरंजन राय एंव सेवाकेन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी द्वारा रीबन काटकर भव्य उद्घाटन किया गया । मणिकणिका द्वारा नृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया गया। सभी अतिथियों ने 12 ज्योतिर्लिंगम,केदारनाथ के भव्य मन्दिर में द्वीप प्रज्वलन वा आरती पूजन कर सम्पूर्ण मेले का अवलोकन किया। तत्पश्चात् अतिथियों ने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में उपस्थित सरगुजा सांसद चिन्तामणि महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस परिसर में आते ही एक अद्भुत शांति की अनुभूति होती है। कौरव - पाण्डव का उदाहरण देते हुए कहा कि जीवन में शब्दों को अपने अन्दर भरने के साथ आचरण में लाना चाहिए। मन में शान्ति नहीं तो कितना भी धन - दौलत हो शान्ति नहीं मिलती । भगवान से जुडने से ही शान्ति मिलती है । उन्होंने सरगुजिहा भाषा में भाषण देकर लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। महापौर मंजूषा भगत जी ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि मेले में लगा अमरनाथ की गुफा में जैसे ही प्रवेश कि सच-मुच यात्रा पर हूं,ऐसा महसूस हुआ । उन्होंने कहा कि सेवाकेन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी को मैं अपने जीवन का प्रेरणास्त्रोत मानती हूं कि एक नारी होकर इतनी बड़ी संस्था चला सकती हैं तो मैं भी महापौर की

जिम्मेदारी संभाल सकती हूं। एक बड़ी जिम्मेवारी संभालने के लिए हमें मन की शान्ति की जरूरत पड़ती है। यह शान्ति हमें सस्था में आने से ही मिलती है ।।अनिल सिंह मेजर ने कहा कि जब हम अपने आपको आध्यात्म वा मेडिटेशन से जोड़ते हैं तो एक नयी ऊर्जा के साथ कार्यक्षेत्र में आते हैं अच्छा प्रदर्शन होता है । इसलिए हर एक को संस्था से जुड़कर अपने आपको परिवर्तन चाहिए। आलोक दुबे जी ने कहा कि इस संस्था को एक अद्भुत शक्ति प्राप्त है ।जैसे ही परिसर में प्रवेश करता हूं शान्ति की अनुभूति होती है । ईश्वरीय ज्ञान को आत्मसात करने से ही जीवन सफल हो सकता है। करता राम गुप्ता, मनोज कंसारी,जन्मेजय मिश्रा,निरंजन राय भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे ।सभी ने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। सेवाकेन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने कहा कि भौतिकता के दौर में हम आज कहीं न कहीं उस परमात्मा से दूर वा संबंध न होने के कारण दुख, अशांति और अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। परमात्मा हमसे अलग नहीं है, वो हमारे संबंधी हैं । उन्होंनें उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे शरीर के संबंधी माता - पिता , वैसे आत्मा के संबंधी सर्व आत्माओं का मात् - पिता, बंधु - सखा, सतगुरू -स्वामी सब कुछ हैं उनसे हम राजयोग मेडिटेशन हमें यह सिखाता है कि हर पल सोते - जागते ,उठते - बैठते स्मृति से साथ रखना है।हम जब भगवान को साथ रखते हैं तो हमसे कोई पाप कर्म नहीं होता है। इस मेले में आकर्षण का केन्द्र केदारनाथ का भव्य मंदिर हैं। मेले में प्रवेश करते ही सबसे पहले गुफाओं के अन्दर से 12 ज्योतिर्लिंगम के दर्शन करते हैं फिर केदारनाथ के भव्य मंदिर का दर्शन होता है ।आगे जाने पर कैलाश पर्वत का विहंगम दृश्य है जिसमें कैलाश पर्वत पर बैठे हुए शंकर के जटा से गिरता हुआ शिवलिंग पर पानी मन को आनन्दित कर देता है। इसके पाश्चात् अमरनाथ की गुफा में पहुंचकर बर्फानी बाबा का दर्शन कर मन को असीम शान्ति की अनुभूति होती है। तत्पश्चात् सुन्दर, आदर्श ग्राम का दृश्य एवं आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी एवं स्वर्ग का मॉडल इस झांकी में दर्शाया गया है। सभी अतिथियों ने इस मेले की वा संस्था की बहुत सराहना की एवं शांति का अनुभव हुआ । यह मेला 2 मार्च तक चोपड़ापारा में शहर वासियों के लिए दर्शनार्थ रहेगा।

सत्ता के पसंद के प्रत्याशी को जिताने के लिए प्रशासन ने सारे नियमों को शिथिल कर चलायी अपनी मनमानी:बिपिन बिहारी जायसवाल

» निर्वाचन के विरुद्ध प्रत्याशी लेंगे अब न्यायालय का शरण

» जब 5:00 बजे मतदान हो चुका था समाप्त तब ऐसी क्या विपत्ति आन पड़ी थी कि छिंदिया के एक पोलिंग बूथ पर रात के 1:30 बजे तक होती रही काउंटिंग?

» जिस बूथ में मतदान सबसे पहले समाप्त हुआ, वहीं की गिनती सबसे अंतिम में क्यों हुई?

» क्या आशा साहू को जीताने के लिए निर्वाचन विभाग ने सारे नियम शिथिल कर रखे थे,पीड़ित प्रत्याशी का आरोप...कहा हुई है धांधली?

» क्या निर्दलीय प्रत्याशी को भाजपा के जिलाध्यक्ष व विधायक से टकराना पड़ा महंगा...जीत छीनकर दे दिए गया दूसरे प्रत्याशी को?

» त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में धांधली की शिकायत सरगुजा संभाग में खूब देखने को मिली,ऐसी ही शिकायत अब कोरिया जिले से भी सामने आई है...

» गणना एजेंटों को नहीं दिखाया गया पर्चा,दूर बैठने को कहा गया,बंद कमरे में मोबाइल भी कराया गया बंद...सूत्र

» गणना पत्रक में भी केवल संबंधित प्रत्याशी का उल्लेख,जबकि समस्त प्रत्याशियों द्वारा प्राप्त वोटों का होना चाहिए रिकॉर्ड

» पुनर्गणना का प्रावधान खत्म,न्यायालय पर निर्वाचन विभाग ने छोड़ा प्रत्याशियों के किस्मत का फैसला?

» पंचायत चुनाव में निर्वाचन विभाग की धांधली ने कहीं पर भी पुनर्गणना नहीं होने दिया, सभी को इलेक्शन कमीशन के दरवाजे खटखटाना को कहा गया?

» सत्ता के इशारे पर निर्वाचन विभाग के दायित्व को निभा रहे अधिकारियों ने सत्ता के प्रत्याशियों को जीत दिलाने का लिया था ठेका?

» लोकतंत्र को मजबूत बनाने वाला चुनाव जिम्मेदारों के हाथों की बना कठपुतली?

-रवि सिंह-
कोरिया,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

हमारे भारत देश में सबसे मजबूत लोकतंत्र को माना जाता है,इस लोकतंत्र की खूबसूरती के लिए व देश के मजबूती के लिए चुनाव पद्धति का इस्तेमाल किया जाता है। ताकि एक मजबूत लोकतंत्रात्मक देश को मजबूत बना सके। पर इस समय इस लोकतंत्र की खूबसूरती पर भी बैठे जिम्मेदार लोग दाग लगा रहे हैं, अपने अधिकारों का गलत उपयोग कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि अब निर्वाचन प्रक्रिया सिर्फ किसी के हाथों की कठपुतली बन गई है। मजबूत लोकतंत्र को चुनने की जो शक्ति लोगों को प्रदान थी, उस शक्ति का भी अब दुरुपयोग होने लगा है, जनता अब निष्पक्ष तरीके से अपना प्रतिनिधि भी नहीं चुन सकती, वह भी अब षड्यंत्र के तहत थोपने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कुछ ऐसा ही त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सरगुजा संभाग में देखने को मिला। कई जगह से ऐसी खबरें हैं कि सत्तापक्ष की हाथ की कठपुतली बन रहा निर्वाचन विभाग और सत्ता पक्ष के इशारे पर आते रहे उनके मन मुताबिक परिणाम। जिसकी शिकायतें भी हुई, पर इस सबके बीच एक बड़ा सवाल यह था कि जहां पर भी धांधली के आरोप लगे, वहां पर पुनर्गणना के प्रावधान को दरकिनार किया गया। प्रसाशन बातें इलेक्शन कमीशन पर डालकर अपना पल्ला झाड़ता रहा, पर इस चुनाव में यदि निष्पक्ष निर्वाचन की बात की जाए तो शायद देखने को नहीं मिली, क्योंकि ऐसी कई शिकायतें सामने आई। कुछ ऐसा ही मामला कोरिया जिले जनपद क्षेत्र क्रमांक 11 में भी देखने को मिला, शाम 5:00 मतदान समाप्त होने पर जहां पर रात के 1:30 तक गणना हुई, जबकि ऐसी गणना किसी भी बूथ पर नहीं देखने को मिला। छिंदिया का एक इकलौता ऐसा बूथ था जहां रात के 1:30 बजे तक गणना की गई जबकि चुनाव शाम को 5:00 बजे ही खत्म हो गया था। आखिर ऐसा क्या षड्यंत्र चल रहा था कि वहां पर गणना के समय को बढ़ा दिया गया, हारे हुए प्रत्याशी ने जो गंभीर आरोप लगाए हैं, यदि उस पर गौर किया जाए तो ऐसा लगता है कि निर्वाचन विभाग अपनी शक्तियों का गलत उपयोग ही करके हारे हुए प्रत्याशियों को जीत दिलाया है। हाई प्रोफाइल सीट जनपद सदस्य के लिए क्षेत्र क्रमांक 11 में तीन भूतपूर्व उपाध्यक्ष समेत 11 प्रत्याशी मैदान में थे। हारे हुए प्रत्याशी द्वारा लगाये गये आरोप के अनुसार उन्हें जानबूझकर सत्ता शासन का दुरुपयोग कर हराया गया है। यदि पीड़ित पक्ष के आरोपों पर गौर करें तो मामला संदेहास्पद बन जाता है। जनपद क्षेत्र क्रमांक 11 के 4 ग्राम पंचायत में से 3 ग्राम पंचायत में पर्याप्त लीड लेने के बाद केवल एक ग्राम पंचायत के एक पोलिंग बूथ से ही पूरा चुनाव हार जाना, इस पोलिंग बूथ पर मतदान 5:00 बजे समाप्त होने के बाद भी सबसे अंत में देर रात मतगणना होना, गणना एजेंट को मतदाता पर्ची से दूर बैठाना और उन्हें पर्चियां को देखने ना देना, बंद कमरे में सभी का मोबाइल बंद कर जमा कर लेना, लगाए गए आरोपों के अनुसार मामले में और संदेह को जन्म देता है।

गणना पत्रक में भी केवल संबंधित प्रत्याशी का उल्लेख, जबकि समस्त प्रत्याशियों द्वारा प्राप्त वोटों का होना चाहिए रिकॉर्ड

पंचायत चुनाव में मतदान संपन्न हो जाने के बाद मतदान केंद्र में ही वोटो की गिनती करने का प्रावधान है, एवं प्रत्याशियों द्वारा तय किए गए गणना एजेंट को गणना पत्रक दिया जाना अनिवार्य है। गणना पत्रक में संबंधित चुनाव में प्रत्याशियों द्वारा प्राप्त किए गए मतों का उल्लेख होता है, परंतु ग्राम पंचायत छिंदिया के पोलिंग बूथ क्रमांक 160, 161 और 162 में गणना एजेंट को समस्त प्रत्याशियों द्वारा प्राप्त किए गए मतों का गणना पत्र न देकर केवल एजेंट से संबंधित प्रत्याशी के मतों का लेखा-जोखा दिया गया। जबकि अन्य स्थान पर गणना एजेंट को समस्त प्रत्याशियों द्वारा प्राप्त मतों का लेखा-जोखा दिया गया। जो की क्षेत्र क्रमांक 11 के चुनाव में निष्पक्षता के प्रति संदेह को जन्म देता है।

आखिर ऐसी क्या विपत्ति आन पड़ी थी कि छिंदिया पोलिंग बूथ पर रात के 1:30 बजे तक होती रही काउंटिंग?

जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 11 के चुनाव में ग्राम पंचायत छिंदिया में तीन पोलिंग बूथ बनाए गए थे, यहां प्रत्येक पोलिंग बूथ में लगभग 700 की संख्या में मतदाता थे और वोटिंग प्रतिशत भी लगभग 85 प्रतिशत था। यहां शाम 6ः00 बजे तक दो पोलिंग बूथ में मतदान समाप्त हो चुका था और एक पोलिंग बूथ में यह मतदान रात्रि 7:00 बजे तक चला था। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिस मतदान केंद्र में सबसे पहले मतदान प्रक्रिया समाप्त हुई थी, उसकी गिनती सबसे अंत में रात्रि लगभग 1:30 बजे संपन्न हुई। जबकि अन्य मतदान केंद्र जो अगल-बगल ही थे, और जहां बाद में मतदान समाप्त हुआ था, उसकी गिनती रात्रि 11:00 से 12:00 तक हो चुकी थी। सोचने वाली बात यह है कि जहां गिनती सबसे पहले प्रारंभ होकर समाप्त होनी थी। वहां देरी किस कारण से हुई? ऐसी कौन सी विपत्ति आ पड़ी थी कि उसकी गिनती में विलंब हुआ? हारे हुए प्रत्याशी का आरोप है कि क्षेत्र के समस्त मतदान केन्द्रों की गिनती होने के बाद एक आंकड़ा बैठाया गया, तब तक मतदान केंद्र क्रमांक 161 की गिनती को रोक कर रखा गया था और उसके बाद मतदान केंद्र क्रमांक 161 की गिनती को सुनियोजित तरीके से प्रबंध किया गया।

जिस बूथ में मतदान सबसे पहले समाप्त हुआ, वहीं की गिनती सबसे अंतिम में

जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 11 के बूथ क्रमांक 160, 161 और 162, जो की एक ही प्रांगण में स्थित है। इसमें बूथ क्रमांक 161 की वोटिंग सबसे पहले समाप्त हो गई थी और कायदे अनुसार इसकी गिनती भी सबसे पहले हो जानी थी। परंतु इसी मतदान केंद्र की गिनती सबसे अंत में प्रारंभ हुई, इस मतदान केंद्र के रिजल्ट आने के पूर्व प्रत्याशी विपिन बिहारी जायसवाल आंकडो के अनुसार जीता हुआ तय माने जा रहे थे। पर अचानक ऐसा घटनाक्रम घटित हुआ की इस मतदान केंद्र के परिणाम के बाद उन्हें हारा हुआ बताया गया।

गणना एजेंटों को नहीं दिखाया गया पर्चा, दूर बैठने को कहा गया, बंद कमरे में मोबाइल भी कराया गया बंद...सूत्र

बूथ क्रमांक 161 में विपिन बिहारी जायसवाल की गणना एजेंट एवं एक अन्य प्रत्याशी के गणना एजेंट ने बताया कि बूथ के अंदर जाने के बाद कमरे को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था। उनके मोबाइल ले लिए गए और बंद कर दिए गए थे। और उन्हें जहां गिनती हो रहे थे उससे दूर दीवार से लगाकर बेंच पर बैठाया गया था, जहां से मतदाता पर्ची पर लगे निशान को देख पाना संभव नहीं था। क्योंकि उन्हें स्वयं 7:00 बजे से ही अंदर बुला लिया गया था इसलिए उन्हें अन्य बूथ में क्या परिणाम आया, इसकी कोई जानकारी नहीं थी। फिर भी उन्होंने अत्यंत कम मत प्राप्त होने की जानकारी होने पर पुनः गणना करने एवं एक बार पर्चियों को देख लेने की बात कर्मचारियों से की, जिसे नकार दिया गया और अगले दिन जिला निर्वाचन आयोग में जाने को कहा गया।

क्या इसलिए लेट से की गई गिनती की पुनर्गणना से बचा जा सके?

अब विपिन बिहारी जायसवाल का कहना है कि क्या गिनती एक पोलिंग बूथ की इसलिए देर रात की गई जिससे वहां पुनर्गणना से बचा जा सके। उनका आरोप है कि यही सत्य है। पुनर्गणना से बचने के लिए ही मतगणना देर रात की गई।

पुनर्गणना का प्रावधान खत्म,न्यायालय पर निर्वाचन विभाग ने छोड़ा प्रत्याशियों के किस्मत का फैसला?

लगभग सभी जगह से आगे होने के बाद केवल एक पोलिंग बूथ में पीछे होने की खबर और अप्रत्याशित हार के बाद जब प्रत्याशी ने पुनर्गणना की मांग की तो इसे नकार दिया गया और पुनर्गणना के लिए निर्वाचन विभाग ने न्यायालय के शरण में जाने की सलाह दी। जबकि रिकाउंटिंग से तत्काल मामला क्लियर हो सकता था और विवाद की स्थिति उत्पन्न नहीं होती। अब हारे हुए प्रत्याशी ने न्यायालय जाने की बात की है और न्यायालय से पुनर्गणना करने की गुहार लगाने की तैयारी में है।

क्या निर्दलीय प्रत्याशी को भाजपा के जिलाध्यक्ष व विधायक से टकराना पड़ा महंगा...जीत छीनकर दे दिया गया दूसरे प्रत्याशी को?

जब छत्तीसगढ़ में पंचायत चुनाव का बिगुल बजा था और आदर्श आचार संहिता लागू हुआ था, तो भाजपा के पुराने कार्यकर्ता विपिन बिहारी जायसवाल ने भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन से क्षेत्र क्रमांक 11 के जनपद सदस्य के लिए टिकट की मांग की थी। और जब उन्हें पार्टी समर्थित प्रत्याशी नहीं बनाया गया तो विपिन बिहारी जायसवाल का वर्तमान भाजपा संगठन से अनबन की अपुष्ट खबरें आई थी। वर्तमान में विपिन बिहारी जायसवाल का कहना है कि मेरे पार्टी से बागी हो कर लड़ जाने के कारण मुझे पार्टी कार्यकर्ता और संगठन का कोई साथ नहीं मिला, बेवजह मेरा निष्कासन कर दिया गया और अब मेरे चुनाव जीतने की स्थिति में साजिश करके अंतिम चरणों में मुझे जिला स्तर के शीर्ष नेतृत्व द्वारा हारा हुआ घोषित कर दिया गया। अब विपिन बिहारी जायसवाल द्वारा लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है या तो पुनर्गणना के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी, कि वास्तव में वे जनता के द्वारा वोट न मिलने से हार गए या भाजपा जिला संगठन के हस्तक्षेप के कारण उन्हें हारा हुआ घोषित किया गया।

तीसरे चरण के मतदान में नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों को दिया गया प्रमाण-पत्र

-संवाददाता-
बलरामपुर,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तृतीय चरण में जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर एवं वाड्रफनगर में 23 फरवरी को मतदान संपन्न हुआ। जिसके तहत जिला पंचायत सदस्य हेतु हुए मतदान के लिए आज संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ एवं रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर की उपस्थिति में सारणीकरण एवं निर्वाचन परिणाम की घोषणा की गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशानुसार रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के द्वारा नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

तीसरे चरण में हुए जिला पंचायत सदस्य के मतगणना में जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-01 से निर्वाचित सदस्य अनुसुइया वर्मा, क्षेत्र क्रमांक-2 से निर्वाचित सदस्य बेला कुशवाहा, क्षेत्र क्रमांक-03 से निर्वाचित सदस्य रामप्रताप सिंह, क्षेत्र क्रमांक-04 से निर्वाचित सदस्य साधना संतोष यादव, क्षेत्र क्रमांक-05 से निर्वाचित सदस्य मुन्शी राम तथा क्षेत्र क्रमांक-06 से निर्वाचित सदस्य बद्री यादव को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया। इस अवसर पर रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती तोमर ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री आर.एन. पाण्डेय, उप संचालक पंचायत सुश्री स्टेला खलखो, सहायक परियोजना अधिकारी जिला पंचायत श्री ललित कुमार ध्वरडे, निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी-अधिकारी सहित सहित प्रत्याशी एवं जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे।

तीसरे चरण में 86.06 प्रतिशत मतदाताओं ने किया अपने मत का प्रयोग

-संवाददाता-
बलरामपुर,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तीसरे चरण के मतदान समाप्ति के पश्चात् दोनो जनपद पंचायतों में कुल 86.06 प्रतिशत मतदान हुआ। जिसमें पुरुषों का मतदान प्रतिशत 85.09 तथा महिलाओं मतदान प्रतिशत 87.04 रहा। दोनो जनपदों में कुल 02 लाख 44 हजार 370 मतदाता में से 02 लाख 10 हजार 294 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। गौरतलब है कि प्रथम चरण में 17 फरवरी को को जनपद पंचायत शंकरगढ़, कुसमी एवं राजपुर में 86.39 प्रतिशत मतदान हुआ था। दूसरे चरण में 20 फरवरी को बलरामपुर में 89.14 प्रतिशत तथा तृतीय चरण में वाड्रफनगर व रामचन्द्रपुर में 86.06 प्रतिशत मतदान हुआ।

महाकुंभ पर्व के अवसर पर जिला जेल के कैदियों के लिए महाकुंभ स्नान का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

जिला जेल में प्रयागराज में जारी महाकुंभ पर्व के अवसर पर आज कैदियों के लिए महाकुंभ सामूहिक पवित्र स्नान का आयोजन किया गया। कैदियों के सामूहिक पवित्र स्नान के लिए प्रयागराज के संगम घाट से पवित्र गंगाजल लाया गया एवं जेल के प्रांगण में इसके लिए खास इंतजाम किया गया था जिसमें जिला जेल सूरजपुर में परिरुद्ध 347 कैदियों ने पवित्र स्नान में भाग लिया, जिससे कैदियों में महाकुंभ स्नान की श्रद्धा एवं उत्साह देखने को मिला। जेल में प्रयागराज महाकुंभ से लाए गए गंगाजल से स्नान कर कैदियों को खुशी मिली एवं कैदियों के द्वारा इस आयोजन के लिए जेल प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202502020700061

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्:-2024-25
नमनाकला प.ह.नं.00020
2/107(0.0160 हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-शिवशंकर यादव,
अनावेदक पक्षकार- शिवशंकर यादव

ईश्तहार

आवेदक शिवशंकर यादव आ0 रामरूप यादव, निवासी नमनाकला, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 2/107 रकबा 0.016 हे0 भूमि को अपने जीवनकाल में अपने इकलौता पुत्र को बटवारा में दिये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/03/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/02/2025 को जारी किया जाता हैं।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जीम आरा पत्नी कलाम खाँ जाति मुसलमान निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,ड0ब0 खसरा नंबर 2518/10, 2518/44 रकबा 0.007,0.012 हे0 कुल रकबा 0.019 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा ,नक्शा ,सेटलमेन्ट ,रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया हैं ,जो इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 13/03/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/02/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202502020700075

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्:-2024-25
अम्बिकापुर प.ह.नं.00015(हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-रजत कुमार बौरी,
अनावेदक पक्षकार-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

ईश्तहार

आवेदक रजत कुमार बौरी आ0 स्व0 कृष्णमोहन बौरी, निवासी पुलिस लाईन के समीप रामानुजगंज रोड, बौरीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की गाम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2177/4800/2 रकबा 0.157 हे0 भू आवेदक के स्वामित्व की भूमि है जिसके राजस्व रिकार्ड में पूर्व में आवेदक का नाम दर्ज था, किन्तु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश अनावेदक के नाम पर दर्ज हो गया है, जबकि आवेदक द्वारा उक्त भूमि को किसी भी प्रकार से अंतरण नही किया गया है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार करते हुये आवेदित भूमि से अनावेदक का नाम विलोपित कर आवेदक के नाम पर दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन इस न्यायालय को इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21/03/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/02/2025 को जारी किया जाता हैं।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में कोरिया में खिला 5 कमल

कांग्रेस के चारों खाने चित्त

जिलाध्यक्ष बनते ही सफलता मिल रही भाजपा को

क्या देवेंद्र तिवारी भाजपा के लिए सफल जिलाध्यक्ष तो वही प्रदीप गुप्ता कांग्रेस के लिए सबसे असफल जिलाध्यक्ष?

5 जिला पंचायत सीट पर जीते भाजपाई,2 निर्दलीय में से 1 भाजपा का बागी,2 सीट पर गोंगपा को मिली है जीत

विधायक भैयालाल राजवाड़े की बहु और बेटी को भी मिली जीत,जनपद अध्यक्ष सौभाग्यवती ने भी जीता चुनाव

-रवि सिंह-
कोरिया,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।
कोरिया जिले में भाजपा को नया जिलाध्यक्ष मिलने के बाद कार्यकर्ताओं में नई उर्जा का संचार हुआ है,बीते नगरीय निकाय चुनाव में मिली सफलता के बाद पंचायत चुनाव में भी अधिकांश सीट भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है,सबसे बड़ा उलटफेर जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 में देखने को मिला इस सीट से जिला पंचायत उपाध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता वेदांति तिवारी को 232 वोट से हार का सामना करना पड़ा है,यह सीट काफी हाई प्रोफाईल मानी जा रही थी, क्षेत्रीय विधायक भैयालाल राजवाड़े की बहु और बेटी ने भी चुनाव जीत लिया है तो वहीं भाजपा के जिला महामंत्री विनोद साहू को भी हार का मुंह देखना पड़ा कांग्रेसी नेता बिहारी राजवाड़े भी अपनी सीट नही बचा सके बैकुंठपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष सौभाग्वती सिंह ने भी जिला पंचायत सीट जीत ली है,प्राप्त परिणाम के अनुसार कोरिया जिले की 10 जिला पंचायत सीट में से 5 सीट पर भाजपा समर्थित उम्मीवारों की जीत हुई है कांग्रेस को एकमात्र सीट पर जीत मिली तो वहीं गोंगपा को 2 सीट मिली है निर्दलीय के रूप में 2 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की 1 निर्दलीय भाजपा से बागी थे जबकि 1 निर्दलीय कांग्रेस से जुड़ी रही हैं जिन्हे कांग्रेस ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखला दिया उनके खिलाफ प्रचार अभियान के दौरान भी कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने लिखित षिकायत किया था। परिणाम के बाद कांग्रेसी खेमे में मायूसी छाई है तो वहीं भाजपा में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

क्या कोरिया कांग्रेस जिलाध्यक्ष सबसे असफल जिलाध्यक्ष?

अब आप सोच रहे होंगे कि यह कैसा सवाल है यह सवाल इसलिए है क्योंकि सभी इस समय कांग्रेस के जिलाध्यक्ष को कोस रहे हैं ऐसा लग रहा है कि यह जिलाध्यक्ष कांग्रेस के लिए पनौती हो गए है, विधानसभा से पूर्व प्रदीप गुप्ता को कांग्रेस ने कोरिया जिले का जिलाध्यक्ष की कमान सौंप गई थी पर तब से लेकर अब तक 4 चुनाव हो चुके पर चारों चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा, लोकसभा चुनाव में की बात की जाए तो 1000 मतों से ही अपने सांसद प्रत्याशी को लीड दिला पाए थे बाकी विधानसभा में हारे, नगरी निकाय चुनाव हारे और अब त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में क्लीन स्विप होते होते बचे, ऐसे मैं असफल जिलाध्यक्ष मानना कहीं से गलत नहीं होगा पार्टी के लिए पनौती कहना भी गलत नहीं होगा, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के बाद जहां भाजपा के जिलाध्यक्ष का कद बढ़ा तो वहीं कांग्रेस के जिलाध्यक्ष को एक नई उपलब्धि अपने नाम हासिल कर लिया वह उपलब्धि है सबसे असफल जिलाध्यक्ष जिनके कार्यकाल में एक भी चुनाव कांग्रेस नहीं जीत पाई, विधानसभा लोकसभा नगरी निकाय त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव सभी में कांग्रेस को करारी हार मिली, पर इसके बावजूद भी उन्हें इस्तीफा देना उचित नहीं समझा, इतने खराब प्रदर्शन के बाद तो उन्हें स्वयं से इस्तीफा दे देना चाहिए पर क्या वह इस्तीफा दे पाएंग? रबर स्टैंप बन कर काम करते रहेंगे? अभी तक की स्थिति में वह रबर स्टैंप ही है, इनके नेतृत्व में यदि सफलता की बात की जाए तो कांग्रेस को एक भी सफलता हासिल नहीं हुई है, कैसे जिलाध्यक्ष बने हुए हैं यह भी सभी को पता है, ऐसा लगता है कि यह चुनाव कांग्रेस को जीतने के लिए नहीं हारने के लिए जिलाध्यक्ष बने हुए हैं, क्योंकि इनकी एक भी ऐसी सक्रिय कैंपेनिंग नहीं देखी गई जिसमें कांग्रेस मजबूत दिखे, चाहे वह टिकट वितरण हो या फिर टिकट वितरण के बाद अपना प्रत्याशियों को जीत दिलाने वाल रुझान हो सभी में यह फेल हो गए। सिर्फ किसी में यह पास है तो अपने ही पार्टी के प्रत्याशियों को हराने में इन्हीं की वजह से कांग्रेस कोरिया जिले में गर्त में जाती दिख रही है भाजपा के सामने तो इसका कोई मुकाबला ही नहीं।

वेदांति तिवारी को मात देने वाले मोहित हो सकते हैं जिला पंचायत अध्यक्ष

भाजपा ने 5 सीट पर जीत हासिल की है,कांग्रेस को एक मात्र सीट हासिल हुई है वहीं गोंगपा के पास भी पर्याप्त संख्या दिखलाई नही दे रही है। स्पष्ट है कि एक संख्या बल जुटाकर भाजपा जिला पंचायत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर कब्जा कर लेगी। जिला पंचायत अध्यक्ष का पद एसटी मुक्त के लिए आरक्षित है, पिछ्ले कई कार्यकाल में जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में महिला को मौका मिला है लेकिन इस बार इस पद पर एसटी पुरूष की ताजपोषी तय मानी जा रही है। ऐसे में जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 से वरिष्ठ कांग्रेसी नेता वेदांति तिवारी को पटकनी देने वाले मोहित पैकरा को भाजपा जिला पंचायत अध्यक्ष बना सकती है। भाजपा के पास वर्तमान में आरक्षित वर्ग से दो महिला एवं एक पुरूष उम्मीदवार हैं। समीकरणो पर यदि बात की जाए तो काफी लंबे समय से देखने में मिला है कि कंवर समाज की भाजपा से दूरी बनी हुई थी, उन्हे साधने के लिए भाजपा को मोहित पैकरा को जिला पंचायत अध्यक्ष बनाना लाभकारी साबित होगा। इस चुनाव में सरगुजा सांसद चिंतामणी महराज ने भी मोहित पैकरा के पक्ष में प्रचार किया था इसका लाभ भी भाजपा को मिला।

कांग्रेस का अब तक का निराशाजनक प्रदर्शन

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव परिणाम पर यदि नजर डाली जाए तो स्पष्ट है कि कांग्रेस का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन रहा है। उसे मात्र 1 सीट पर संतोष करना पड़ा है। इस चुनाव में कांग्रेसी नेता स्पष्ट तौर पर गुंटो में बंटे नजर आए अधिकांष कांग्रेसी चुनावी मैदान से दूर रहे। जिलाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता एकदम कमजोर साबित हुए तो वहीं क्षेत्रीय संसद ज्योत्सना महंत और पूर्व विधायक अंबिका सिंहदेव भी चुनाव से दूर रहीं।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता वेदांति तिवारी की हार,1 सीट पर सिमटी कांग्रेस

जनपद अध्यक्ष को मिली जीत-

बैकुंठपुर जनपद पंचायत की अध्यक्ष सौभाग्यवती सिंह इस बार जिला पंचायत का चुनाव लड़ रही थीं उन्हे भी इस चुनाव में जीत हासिल हुई है।

विधायक की बहु और बेटी को भी मिली जीत

पंचायत चुनाव में क्षेत्रीय विधायक भैयालाल राजवाड़े की बहु वंदना राजवाड़े एवं बेटी गीता राजवाड़े को भी मैदान में उतारा गया था दोनो ही सीट पर उन्होने जीत हासिल कर ली है। जीत के बाद विधायक के गृह ग्राम सरडी में देर रात तक आतिषबाजी कर जष्न मनाया गया।

जश्न में डूबे भाजपा जिलाध्यक्ष देर रात 2 बजे मनाया गया जश्न

पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में 4 सीट पर भाजपा उम्मीदवारों की जीत हासिल हुई सबसे हाई प्रोफाईल सीट क्षेत्र क्रमांक 6 से मोहित पैकरा की जीत पर भाजपाईयों में नई उर्जा का संचार हुआ,जैसे ही यह खबर मिली की मोहित पैकरा ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता वेदांति तिवारी को परास्त कर दिया है वैसे ही भाजपाई खेमे में खुषी की लहर दौड़ गई, देर रात 2 बजे भाजपा कार्यालय के बार आतिशबाजी कर जीत का जष्न मनाया गया,भाजपा के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी समर्थको के साथ जीत का जश्न मनाते देखे गए।

5 सीट पर भाजपा को बहुमत

कोरिया जिले में जिला पंचायत की 10 सीट हैं इनमें से भाजपा को 5 सीट पर जीत हासिल मिली है शेष सीटों में से 1 पर कांग्रेस 2 पर गोंगपा और 2 निर्दलीय उम्मीदवारो को जीत मिली है। 1 निर्दलीय उम्मीदवार राजेश साहू ने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेसी नेता बिहारी राजवाड़े को काफी कम मतो से शिकस्त दी है। इस सीट पर भाजपा ने जिला महामंत्री विनोद साहू को उम्मीदवार बनाया था उन्हे हार का मुंह देखना पड़ा।

हाई प्रोफाईल सीट पर रही सभी की नजर,हारे वेदांति तिवारी

कोरिया जिले मे त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव दो चरणो में संपन्न हुआ,पहले चरण में सोनहत जनपद पंचायत क्षेत्र एवं दो जिला पंचायत सीट पर चुनाव संपन्न हुआ यहां सोनहत जनपद के अधिकांष सीट पर भाजपा समर्थित उम्मीदवार विजयी हुए जबकि एक जिला पंचायत सीट पर भाजपा व एक सीट पर कांग्रेस उम्मीदवारों को जीत मिली थी। दूसरे चरण में जिला पंचायत की 8 सीटों के लिए चुनाव हुआ जिसमें से एक सीट काफी हाई प्रोफाईल मानी जा रही थी, जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 की हाई प्रोफाईल सीट पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांति तिवारी का मुकाबला कंवर समाज से ताल्लुकात रखने वाले मोहित पैकरा के साथ था इस सीट पर प्रांरभ से ही वेदांती तिवारी को कड़े मुकाबले की उम्मीद थी, लेकिन चुनाव के अंत समय तक उन्होने अपनी पोजिशन ठीक कर ली थी। हाई प्रोफाईल मानी जा रही इस सीट पर चुनाव के दिन भी काफी गहमागहमी बनी रही देर रात लगभग 1 बजे आमापारा में काफी विवाद की स्थिति भी बनी रही। लेकिन अंतिम परिणाम के अनुसार वरिष्ठ कांग्रेसी नेता वेदांति तिवारी को इस सीट पर हार का सामना करना पड़ा है। उन्हे भाजपा उम्मीदवार मोहित पैकरा जो कि पिछ्ले लोकसभा चुनाव के दौरान ही कांग्रेंस छोड़ भाजपा में शामिल हुए थे उन्होने कड़े मुकाबले में 232 वोट से षिकस्त दी है। इस सीट पर भाजपा के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने भी जोरदार मेहनत की थी तो वही प्रभारी के रूप में बसंत राय को कमान दी गई थी,विधायक भैयालाल राजवाड़े एवं जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने भी मोर्चा संभालकर जीत को आसान कर दिया।

देवेन्द्र तिवारी के करिश्माई नेतृत्व से आसान हुई जीत की राह

कोरिया जिले में नगरीय निकाय चुनाव में कमल खिलाने के बाद भाजपा को पंचायत चुनाव में भी उल्लेखनीय सफलता मिली है इसके पीछे नए जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी की रणनीति अहम मानी जा रही है, उन्होने चुनाव में काफी सोच समझकर क्षेत्रीय विधायक भैयालाल राजवाड़े समेत वरिष्ठ नेताओं के साथ तालमेल बिठाते हुए टिकट वितरण किया था उसके बाद कमर कसकर उन्होने रणनीति के साथ मैदान मे उतरकर 5 सीट पर अपने उम्मीदवारो को जीत दिलाने में कामयाबी हासिल की है। कार्यकर्ताओं व नेताओं से सीधा जुड़ाव होने के कारण क्षेत्र मे भाजपा उम्मीदवारों के प्रति माहौल तैयार हुआ और उन्हे जीत हासिल हुई है, 2 सीट पर पुराने उम्मीदवारो के खिलाफ माहौल होने के कारण जीत हासिल नही हुई। इस चुनाव में क्षेत्रीय विधायक भैयालाल राजवाड़े समेत जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे,पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल,बसंत राय,रेवा यादव,अंचल राजवाड़े समेत कई नेताओं ने कड़ी मेहनत कर जीत हासिल की है।

जिले में बोर्ड परीक्षा की गोपनीय सामग्री का सुरक्षित वितरण,परीक्षा की तैयारियां पूर्ण

कलेक्टर ने दिए गोपनीयता व सुरक्षा बरतने का दिया निर्देश

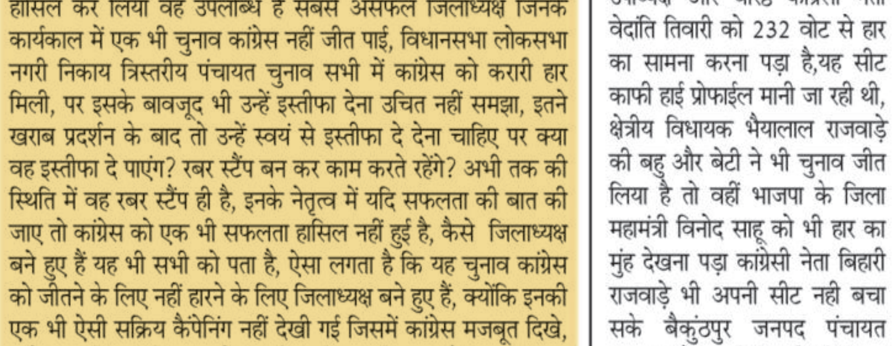

-संवाददाता-
कोरिया,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षाओं की गोपनीय सामग्री का सुरक्षित वितरण जिले में किया गया। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार, संपूर्ण प्रक्रिया गोपनीयता और कड़ी सुरक्षा के साथ पूरी की गई। बोर्ड परीक्षा सामग्री का वितरण शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बैकुंठपुर में किया गया, जहां जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों के लिए गोपनीय दस्तावेजों का मिलान और वितरण किया गया। बोर्ड परीक्षा की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, जिले के सभी परीक्षा केंद्र अध्यक्षों को गोपनीय सामग्री सौंपी गई, जिसे सुरक्षा बलों के साथ थाना/चौकी में सुरक्षित जमा किया गया। परीक्षा दिवस पर संबंधित विषय का प्रश्न पत्र नियत समय पर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने की विशेष व्यवस्था की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता ने परीक्षा संचालन को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं, ताकि परीक्षा नकल मुक्त, सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

बोर्ड परीक्षा के लिए प्रशासन सतर्क

प्रशासन ने परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, गोपनीयता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और किसी भी गड़बड़ी को रोकने के लिए विशेष दल सक्रिय रहेंगे। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों से ईमानदारी और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने की अपील की है, ताकि यह परीक्षा एक सफल और अनुशासित परीक्षा महोत्सव बन सके। इस दौरान नायब तहसीलदार श्री कामेश कश्यप, समन्वय संस्था के प्राचार्य श्री अमृत लाल गुप्ता, शिक्षा विभाग के अधिकारी प्रकाश तिवारी, विनय मोहन भट्ट, पी. बड़ा, अमित परमार, और माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन पाली महोत्सव कार्यक्रम मे मुख्य अतिथ होंगे शामिल

-संवाददाता-
कोरबा,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।
प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन बुधवार 26 और 27 फरवरी को कोरबा जिले के प्रवास पर रहेंगे और वहां आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार 26 फरवरी को सुबह 10.30 बजे रायपुर से कार द्वारा रवाना होकर दोपहर 1.30 बजे ग्राम कोहड़िया चारपारा जिला कोरबा पहुंचेंगे। तत्पश्चात् सायं 5.45 बजे चारपारा कोहड़िया से प्रस्थान कर सायं 7 बजे ग्राम केराझरिया में ऐतिहासिक पाली महोत्सव कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके बाद वे रात्रि 8 बजे पाली कोरबा से प्रस्थान कर रात्रि 10.30 बजे रायपुर लौट आएंगे। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन गुरूवार 27 फरवरी को सायं 4.30 बजे रायपुर से जिला कोरबा-पाली के लिए प्रस्थान कर सायं 7 बजे ग्राम केराझरिया में पाली महोत्सव कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके बाद रात्रि 8 बजे जिला कोरबा पाली से प्रस्थान कर रात्रि 10.30 बजे रायपुर लौट जाएंगे ।

भाजपा ने अम्बिकेश को बनाया पर्यवेक्षक

-संवाददाता-
सूरजपुर,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।
भारतीय जनता पार्टी ने नगर पालिका परिषद सूरजपुर में उपाध्यक्ष का चुनाव कराने हेतु प्रदेश संगठन के द्वारा सरगुजा जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता अम्बिकेश केसरी को पर्यवेक्षक बनाया है। जो शीघ्र ही पार्षद दल की बैठक लेकर उपाध्यक्ष का नाम तय करेंगे। नपा सूरजपुर में भारतीय जनता पार्टी के 8 पार्षद, और दो निर्दलीय भाजपा के शामिल होने के पश्चात 10 पार्षद 6 कांग्रेस व 2 निर्दलीय पार्षद हैं। नपा उपाध्यक्ष के बहुमत के लिए 10 पार्षदों का होना आवश्यक है। जो 2 निर्दलीय के शामिल है होने से पूर्ण हो चुका है भाजपा के पर्यवेक्षक अम्बिकेश केसरी सरगुजा जिले में जिला महामंत्री, जिला उपाध्यक्ष के दायित्वों के साथ उनके पास लोकसभा विधानसभा चुनाव संचालन का अनुभव है। ऐसी स्थिति में श्री केसरी को पर्यवेक्षक का दायित्व देकर नपा सूरजपुर में उपाध्यक्ष भाजपा का बनाने उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। सूरजपुर में उपाध्यक्ष का चुनाव हमेशा सुर्खियों में रहा है। सबकी नजर इस पर रहती है। लिहाजा उपाध्यक्ष कौन होगा, इस पर शहर में चर्चा जोरों से चल रही है।

रिटर्निंग अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने विजयी प्रत्याशियों को दिया प्रमाण-पत्र

-संवाददाता-
कोरिया,25 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।
त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के तहत कोरिया जिले के बैकुंठपुर जनपद क्षेत्र के अंतर्गत हुए जिला पंचायत सदस्य पद के लिए हुए चुनावों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। बैकुंठपुर विधानसभा के विधायक भईयालाल राजवाड़े की उपस्थिति में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं रिटर्निंग अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद विजयी प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया।
जिला पंचायत चुनाव के तहत कुल आठ क्षेत्रों से निर्वाचित प्रतिनिधियों की घोषणा की गई। बैकुंठपुर क्षेत्र से वंदना राजवाड़े (अनारक्षित महिला), सौभाग्यवती सिंह कुसरो (अजजा मुक्त), संगीता सोनवानी (अजा महिला), राजेश साहू (अनारक्षित मुक्त), गीता राजवाड़े (अनारक्षित महिला) और मोहित राम पैकरा (अनारक्षित मुक्त) विजयी हुए। वहीं, खड़गवां क्षेत्र से सुषमा कोराम (सीट क्रमांक 9) और स्नेहलता उदय (सीट क्रमांक 10, अजजा महिला) ने जीत दर्ज की। इससे पहले, पहले चरण की मतगणना के बाद सोनहत क्षेत्र से सुरेश कुमार सिंह (प्रथम सीट) और शिवकुमारी अशोक कुमार (द्वितीय सीट) को निर्वाचित घोषित किया जा चुका था।

समर्थकों में उत्साह,विजयी प्रत्याशियों ने जताया आभार

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया। प्रत्याशियों ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने क्षेत्र के विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। इस अवसर पर गणमान्य नागरिकगण, जिला निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी, प्रत्याशी, समर्थक और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट ने चाइनीस मांझे मामले पर लगाई फटकार

» दिया प्रतिबंध और मुआवजे में बढ़ोतरी का आदेश

बिलासपुर,25 फरवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने चाइनीस मांझे से हुई एक बच्चे की मौत और एक महिला अधिवक्ता की गंभीर चोट की घटनाओं को लेकर राज्य सरकार पर सख्त नाराजगी जताई है। मंगलवार को जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने सरकार के रवैये पर सवाल उठाए। शासन की ओर से बताया गया कि मृतक बच्चे के परिजनों को 50 हजार रुपये का मुआवजा दिया गया है। इस पर चीफ जस्टिस ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा, एक मासूम की जान चली गई और यह छोटी सी राशि क्या हासिल करेगी? कोर्ट ने मुआवजे की राशि बढ़ाने और चाइनीस मांझे की बिक्री पर कड़ा प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया।

कोर्ट की चिंता और सवाल

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने इन घटनाओं को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और खतरनाक÷ करार देते हुए सरकार से सवाल किया था कि प्रतिबंध के बावजूद मांझा बाजार में कैसे उपलब्ध है। कोर्ट ने पूछा, ÷क्या अधिनियम को लागू करने में सरकार नाकाम रही? एक 7 साल के बच्चे की जान गई और एक महिला अधिवक्ता घायल हुई, फिर भी कार्रवाई क्यों नहीं हुई?÷कोर्ट ने मुख्य सचिव से जवाब मांगा था कि मांझा बाजार में कैसे पहुंच रहा है और प्रभावित परिवारों को क्या राहत दी गई। पिछले महीने हुई सुनवाई में सरकार ने कहा था कि मुख्य सचिव का जवाब अभी तैयार नहीं है, जिसके बाद कोर्ट ने तीन सप्ताह बाद सुनवाई तय की थी।

सुनवाई में सरकार को लताड़

मंगलवार को जब सरकार ने 50 हजार रुपये मुआवजे की जानकारी दी, तो चीफ जस्टिस ने इसे अपर्याप्त बताया। उन्होंने कहा, प्रशासन की लापरवाही के चलते बच्चे की मौत हुई। ऐसी घटनाओं में मुआवजा बढ़ाना जरूरी है। कोर्ट ने शासकीय अधिवक्ता से कहा कि जानलेवा मांझे की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगे और सरकार इसकी जिम्मेदारी ले।

घटनाओं का विवरण

पहली घटना रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र में हुई। धनेश साहू अपने 7 साल के बेटे पुष्कर साहू के साथ बाइक से गार्डन जा रहे थे। पचपेड़ी नाका के पास अचानक चाइनीस मांझा बच्चे के गले में फंस गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। धनेश ने मांझा निकालने की कोशिश की और उसे पहले निजी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां इलाज नहीं हो सका। बाद में मेकाहारा अस्पताल में बच्चे ने दम तोड़ दिया। दूसरी घटना में पंडरी मॉल के पास एक्सप्रेस-वे पर स्कूटी से जा रही महिला वकील पूर्णशा कौशिक के गले में मांझा फंस गया। इससे उनके गले में गहरा कट लग गया। मांझा हटाने की कोशिश में उनका अंगूठा भी कट गया। आसपास के लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज हुआ।

कोर्ट का सख्त संदेश

हाईकोर्ट ने इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए सरकार को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कोर्ट ने मांझे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों को उचित मुआवजा सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

कांग्रेस दफ्तर राजीव भवन में ईडी की रेड

रायपुर, 25 फरवरी 2025 (ए)। राजधानी रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ कांग्रेस के मुख्यालय राजीव भवन में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की टीम ने दबिश दी है। दो अफसर यहां पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों अफसर सुकमा और कोंटा के राजीव भवन के निर्माण को लेकर पूछताछ करने के लिए आए हैं। कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री को पूछताछ के बुलाया है। इधर कांग्रेस के लीगल सेल के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। छत्तीसगढ़ के चर्चित सेक्स सीडी कांड केस में रायपुर कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट में पूर्व सीएम सीएम भूपेश बघेल और विनोद वर्मा पेश हुए। कोर्ट में हाजिरी देने के बाद भूपेश बघेल विधानसभा सत्र के लिए रवाना हो गए। अब अगली सुनवाई 4 मार्च को होगी।

28 साल बाद मिलेगा गरीब किसानों को हक

» हाईकोर्ट ने दिए सीमांकन और कब्जा दिलाने के आदेश...

बिलासपुर,25 फरवरी 2025 (ए)। गरीब भूमिहीन किसानों को 5 मई 1997 को आवंटित की गई शासकीय भूमि का कब्जा दिलाने के मामले में बिलासपुर हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मुंगेली जिले के कलेक्टर और तहसीलदार को नोटिस जारी करते हुए निर्देश दिया है कि किसानों की पट्टे वाली जमीन को राजस्व अभिलेखों में दर्ज कर बटांकन और सीमांकन की प्रक्रिया पूरी की जाए। इसके बाद याचिकाकर्ताओं को उनकी भूमि का वास्तविक कब्जा दिलाया जाए।

रामेश्वर पुरी गोस्वामी और उमेद राम यादव सहित 18 किसानों ने अधिवक्ता मिर्जा हफीज बेग के माध्यम से हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया कि ग्राम परसवारा, तहसील लोरमी की शासकीय भूमि (रकबा 15/1, कुल 118.2510 हेक्टेयर) में से एक-एक एकड़ जमीन गरीब भूमिहीन किसानों को आवंटित की गई थी। लेकिन 28 साल बीतने के बाद भी यह भूमि राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं की गई, जिससे किसान अपने हक से वंचित रह गए।

इस अवधि में किसानों ने कई बार प्रशासन से गुहार लगाई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इस बीच, वन विभाग के अधिकारियों ने किसानों को भूमि पर पौधे लगाने से भी रोक दिया, जिससे उनकी आजीविका पर संकट मंडराने लगा।

कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद जगी न्याय की उम्मीद...

किसानों की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने प्रशासन को निर्देश दिया कि भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए और जल्द से जल्द सीमांकन एवं बटांकन की प्रक्रिया पूरी की जाए। कोर्ट के आदेश के बाद जिला प्रशासन ने 16 अगस्त 2022 को इस प्रक्रिया की शुरुआत की थी, लेकिन अब तक किसानों को पूरी तरह से कब्जा नहीं मिल पाया था।

सरकारी नीतियों की लापरवाही उजागर...

यह मामला प्रशासनिक लापरवाही और सरकारी नीतियों के धीमे क्रियान्वयन का बड़ा उदाहरण है। गरीब किसान 28 वर्षों से अपनी जमीन के लिए संघर्ष कर रहे थे, लेकिन सरकारी उदासीनता के कारण वे अपने हक से वंचित रहे। हाईकोर्ट के इस फैसले से अब उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।सरकार द्वारा भूमिहीन किसानों को भूमि का पट्टा देने की योजना लागू की गई थी, लेकिन राजस्व विभाग की उदासीनता और वन विभाग के हस्तक्षेप ने इसे व्यर्थ कर दिया। कोर्ट के सख्त निर्देश के बाद अब प्रशासन पर दबाव बढ़ गया है कि वह किसानों को उनकी जमीन का कब्जा दिलाए और कानूनी प्रक्रिया को जल्द पूरा करे।

कामकाजी महिलाओं के लिए 202 करोड़ से बनेंगे 6 हॉस्टल

रायपुर, 25 फरवरी 2025 (ए)। केंद्र शासन की विशेष सहायता से छत्तीसगढ़ में कामकाजी महिलाओं के लिए 6 हॉस्टल बनाए जाएंगे। इसके लिए केन्द्र के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 202 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। इनमें राजधानी में तीन के साथ ही नवा रायपुर में सेक्टर-16 में एक और बिलासपुर तथा सिरगिट्टी में सीएसआईडीसी को दो हॉस्टल के लिए राशि दी गई है।राजधानी रायपुर में कामकाजी महिलाओंके लिए लगभग 48 करोड़ रुपए की लागत से तीन वर्किंग वूमन्स हॉस्टल बनाए जाएंगे। इस हॉस्टल की योजना वर्ष 2024 में केंद्र शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। केंद्र सरकार द्वारा 24 फरवरी को इस प्रस्ताव की मंजूरी दे दी गई है।नगर निगम आयुक्त अविनाश मिश्रा ने बताया कि 250-250 बेड के इस हॉस्टल के बनने से राजधानी में कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित आवासीय सुविधा सस्ती दर पर मिलेगी। तीनों हॉस्टल तीन माले की होगी। इनमें से प्रत्येक हॉस्टल में 250-250 बेड का इंतजाम किया जाएगा। हॉस्टल के कमरे डबल बेडरूम वाले होंगे और उसमें अटैच वासरूम रहेगा। कोशिश रहेगी कि सभी हॉस्टल में मेस की सुविधा रहे, जिससे कामकाजी महिलाओं को नाश्ता व खाने के लिए बाहर न जाना पड़े। ये हॉस्टल रिहायशी इलाकों में ही बनाए जाएंगे,जिससे महिलाओं को आने-जाने में किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो। आयुक्त ने कहा है कि प्रक्रियाओं को तेज करते हुए इन हॉस्टल को एक साल के अंदर तैयार करने की कोशिश की जाएगी। तीनों हॉस्टल की निर्माण एजेंसी निगम रहेगा और इसका संचालन व संधारण पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर किया जाएगा।

लगभग 10 हजार महिलाएं कर रही काम

रोजगार कार्यालय से अनुसार राजधानी में लगभग 10 हजार महिलाएं बाहर से आकर सरकारी विभागों में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि निजी संस्थानों में यह संख्या बढ़ सकती है।

पेंड्रा में बोर्ड एग्जाम से पहले एक बड़ी लापरवाही

2025 की जगह 2024 की उत्तर पुस्तिकाएं बांटी

पेंड्रा,25 फरवरी 2025 (ए)। पेंड्रा में बोर्ड एग्जाम से पहले एक बड़ी लापरवाही सामने आई है. पेंड्रा के स्वामी आत्मानंद शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला में बोर्ड परीक्षा के समन्वय केंद्र से प्रभारी और प्राचार्य एल पी डाहिरे द्वारा 2025 की जगह 2024 की उत्तर पुस्तिकाएं वितरित कर दी गईं। इस गलती के कारण लगभग डेढ़ हजार उत्तर पुस्तिकाएं गलत वितरित हो गईं। अब इन्हें वापस मंगाया जा रहा है और उनकी जगह 2025 की उत्तर पुस्तिकाएं दी जा रही हैं। इस लापरवाही के कारण कई स्कूलों और परीक्षा केंद्रों के प्रभारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मामले में एल.पी. डाहिरे ने बताया कि 2024 के लिए प्रैक्टिकल के लिए आई हुई उत्तर पुस्तिकाएं बांट दी गई थी जिसे मिलान के बाद वापस मंगाई गई है। अगले सप्ताह से दसवीं और बारहवीं बोर्ड एग्जाम शुरू होने वाले हैं, और इस गलती के कारण प्रभारी ने 2024 की उत्तर पुस्तिकाएं वापस मंगाने के आदेश दिए हैं। कुछ केंद्रों से ये पुस्तिकाएं वापस आनी भी शुरू हो गई हैं।

सांसद नाग की गाड़ी की टक्कर से घायल एक और युवक ने तोड़ा दम

अब तक तीन लोगों की मौत,ग्रामीणों में भारी आक्रोश

भानुप्रतापपुर,25 फरवरी 2025 (ए)। कांकेर के भाजपा सांसद भोजराज नाग के काफिले के वाहन की टक्कर से घायल एक और युवक की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अब तक इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों एक ही गांव पोंडगांव के रहने वाले हैं।. इस घटना के बाद गांव में आक्रोश देखा जा रहा है। यह हादसा सोमवार रात हुआ। भाजपा सांसद भोजराज नाग भानुप्रतापपुर से

अंतागढ़ जा रहे थे,तभी अंतागढ़ थाना क्षेत्र के पोडगांव के पास कांकेर सांसद भोजराज नाग के फॉलो वाहन ने बाइक को टक्कर मारी थी। इस हादसे में दो लोगों की मौत हुई थी। वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल थे।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी. घायलों को अंतागढ़ अस्पताल लाया गया था। सांसद भोजराज नाग भी अस्पताल पहुंचे थे। इस हादसे में एक की घटना स्थल पर मौत हुई.। वहीं इलाज के दौरान एक घायल की और जान चली गई.। वहीं दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई थी। घायलों को अंतागढ़ अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान घायल एक और युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतकों के नाम गिरधारी समरथ, कुलेश्वर समरथ और तामेश्वर देहारी बताए गए हैं।

सीएम विष्णुदेव साय ने बागेश्वर धाम में बालाजी सरकार के दर्शन किए

डिप्टी सीएम विजय शर्मा भी रहे मौजूद...

छतरपुर,25 फरवरी 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मंगलवार को बागेश्वर धाम, छतरपुर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ डिप्टी सीएम विजय शर्मा भी मौजूद रहे। सीएम साय ने बागेश्वर धाम में बालाजी सरकार के दर्शन किए और धाम के प्रमुख पंडित धीरेंद्र शास्त्री से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री साय ने इस दौरान महाशिवरात्रि (26 फरवरी) को आयोजित होने वाले कन्या विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के सवाल पर कहा कि वे इस कार्यक्रम में उपस्थित नहीं होंगे। उन्होंने बताया कि देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस समारोह में शामिल होंगी और नवदंपतियों को आशीर्वाद देंगी।

सीएम साय ने बागेश्वर धाम के आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह स्थान लोगों की आस्था और विश्वास का केंद्र है। उन्होंने पंडित धीरेंद्र शास्त्री के सामाजिक कार्यों की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

छत्तीसगढ़ की जेलों में कैदियों ने किया गंगा जल से स्नान

रायपुर, 25 फरवरी 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ की जेलों में कैदियों के लिए एक खास आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें गंगा जल से स्नान कराया गया। यह पहल उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में हुई।

राज्य की 5 सेंट्रल जेल, 20 जिला जेल और 8 सब-जेल में कैदियों ने इस विशेष अवसर पर हिस्सा लिया। महाकुंभ के ऐतिहासिक मौके को ध्यान में रखते हुए सरकार ने कैदियों को आध्यात्मिक लाभ देने का यह कदम उठाया। स्नान का उद्देश्य आत्मशुद्धि और नैतिक उत्थान बताया गया।जेल प्रशासन ने इसके लिए खास इंतजाम किए, और कैदियों में भी इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखा गया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, यह आयोजन कैदियों के सुधार और पुनर्वास की दिशा में एक कदम है। सरकार आगे भी ऐसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देगी, ताकि कैदियों को सकारात्मक बदलाव का मौका मिले।

फाइनेंस कर्मचारियों की गुंडागर्दी

हमला कर कस्टमर को किया अधमरा

भिलाई,25 फरवरी 2025 (ए)। भिलाई में आईडीएससी फर्स्ट बैंक के फाइनेंस डिपार्टमेंट के कुछ लोगों ने किस्त ना पटाने पर युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। उन्होंने डंडे से मारकर युवक का सिर फोड़ दिया और चले गए। बाद में घायल को देर रात लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला लाया गया। घटना सुपेला थाना क्षेत्र के फरीदनगर की है।

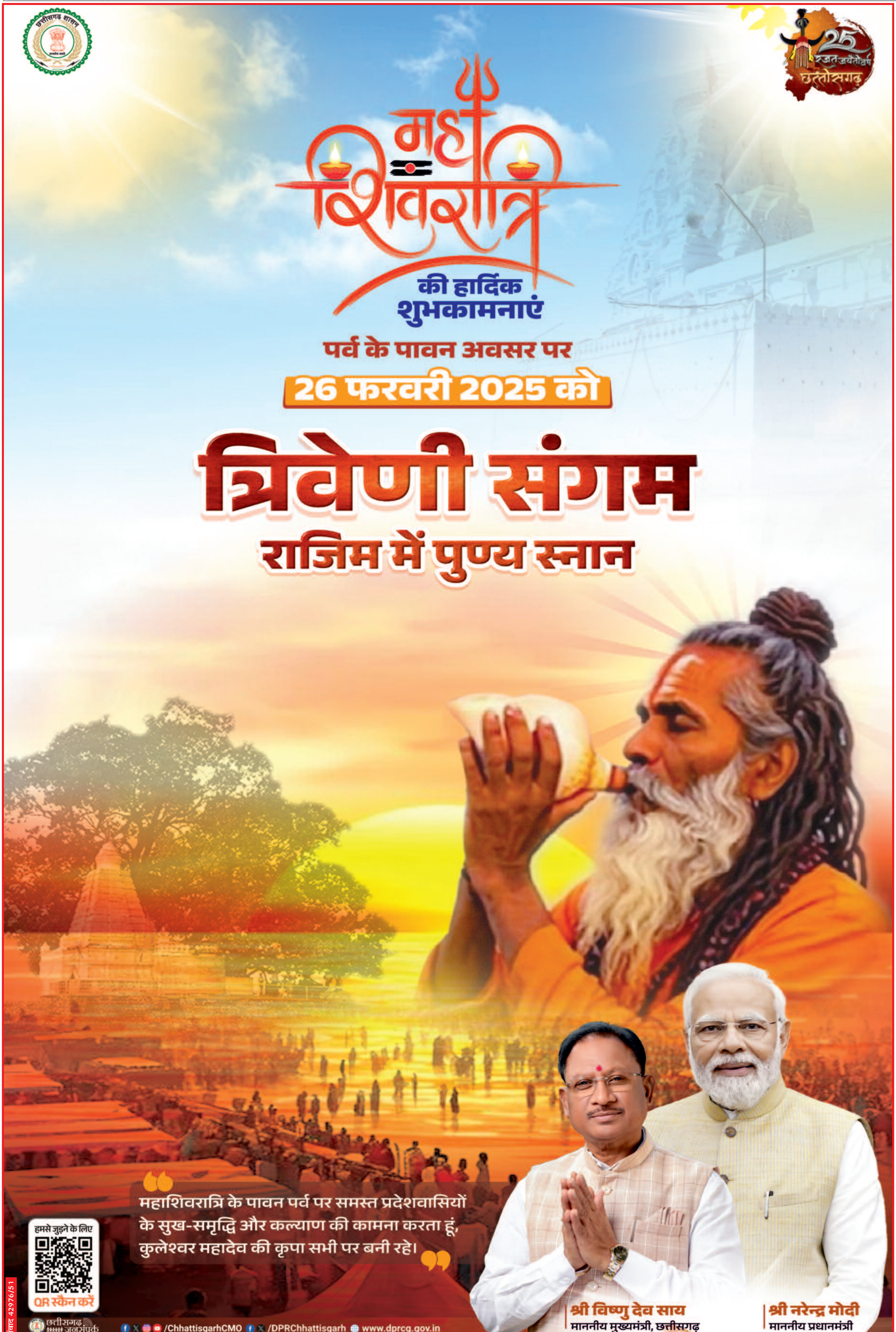

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)